हिंदी

बालभारती

पहली कक्षा पहला भाग

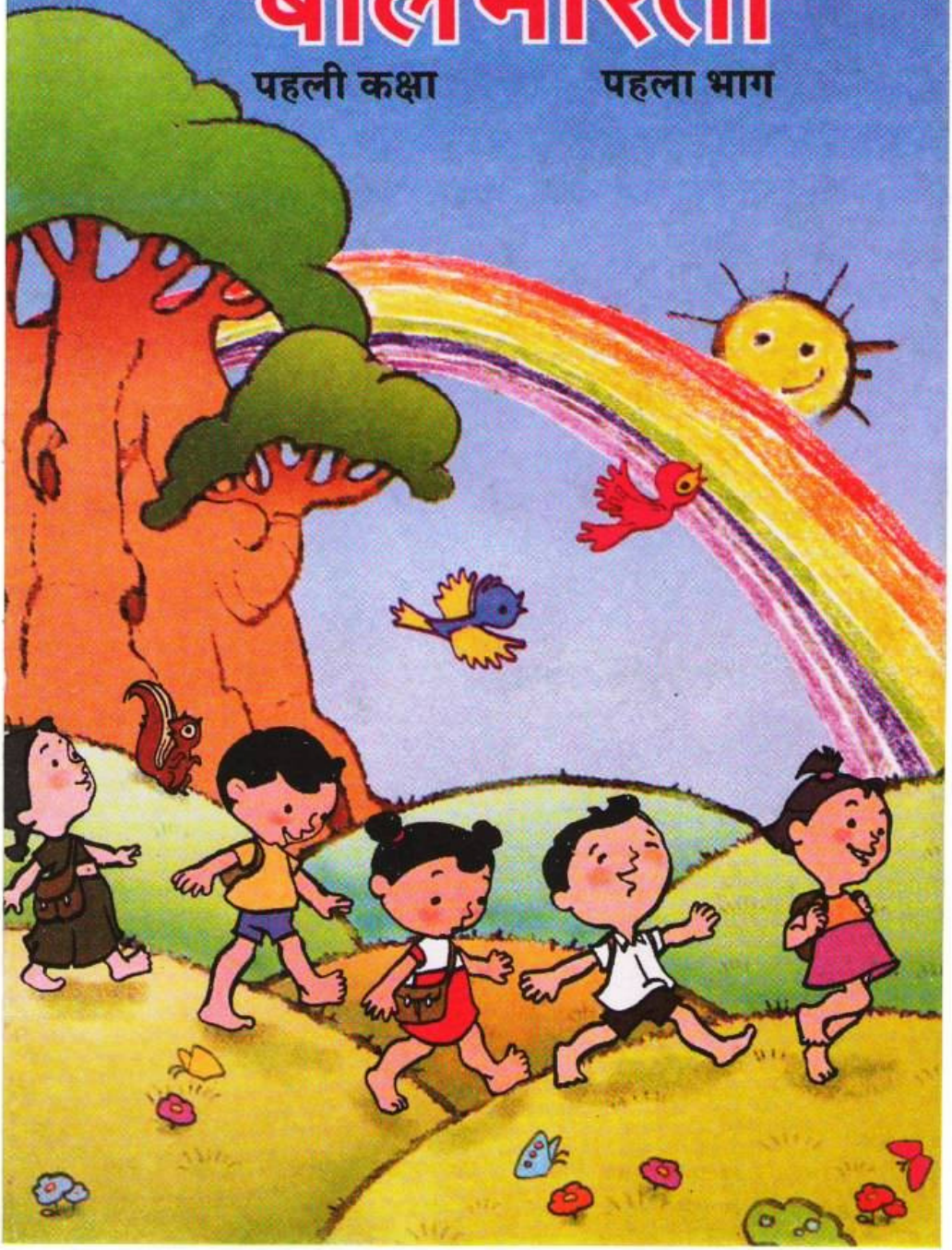

अंतर खोजो

शिक्षा विभाग का स्वीकृति क्रमांक : प्राशिसं-२००६-२००७/मंजूरी ५०५(३५)/१२५०६, दि. १४.३.२००६

हिंदी

बालभारती

पहली कक्षा

पहला भाग

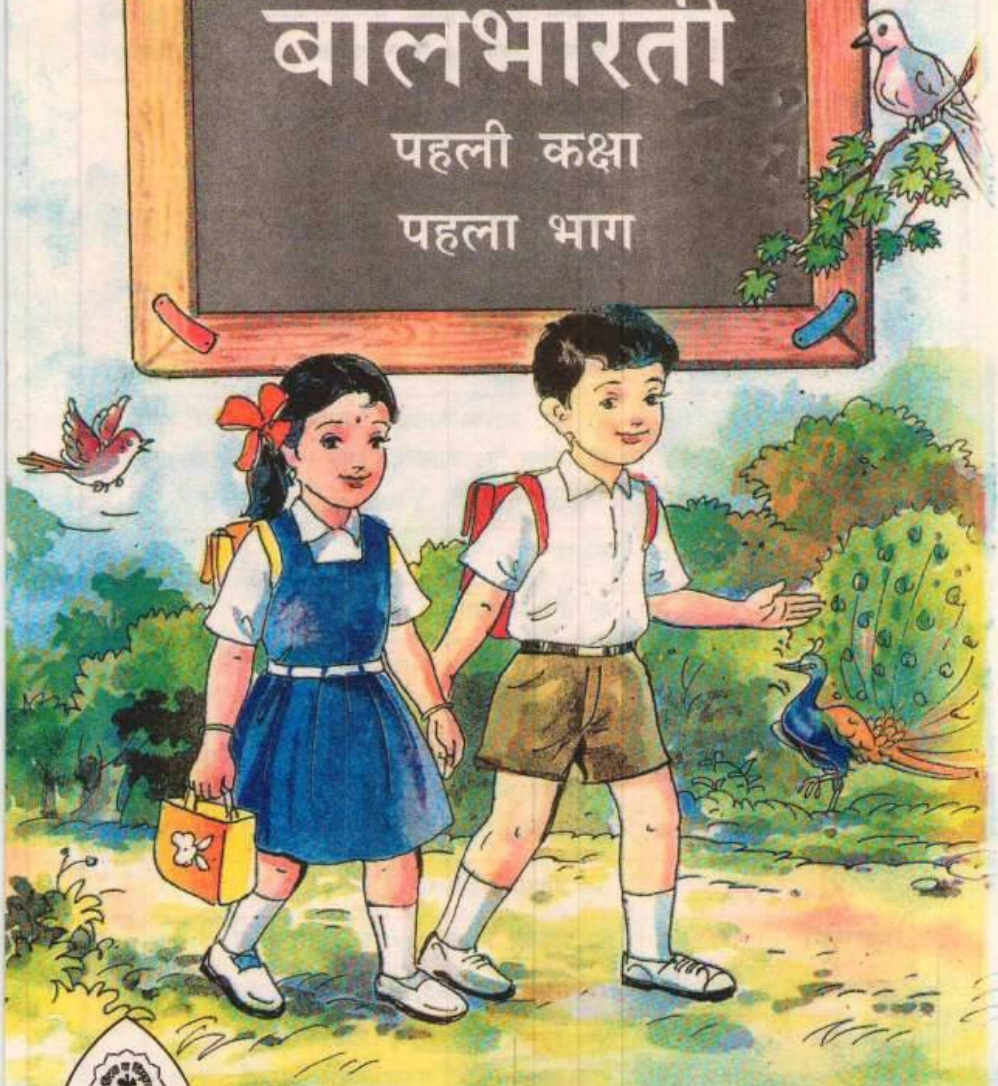

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

प्रथमावृत्ति : २००६
पाँचवाँ पुनर्मुद्रण : २०११

© महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे - ४११ ००४.
इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

लेखन, संपादन सहयोग :
डा. रामजी तिवारी
डा. सूर्यनारायण रणसुभे
डा. साधना शाह
सौ. सिंधु बापट
श्री ज्ञानकुमार आर्य
श्री तपेश्वर मिश्र
श्री अशोक शुक्ल
डा. सौ. अलका पोतदार (विशेषाधिकारी, हिंदी भाषा)

संयोजन : डा. सौ. अलका पोतदार, विशेषाधिकारी, हिंदी भाषा
सौ. संध्या वि. उपासनी, विषय सहायक, हिंदी भाषा
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे.

मुखपृष्ठ : स्नेहल पागे

चित्रांकन : श्री राजेंद्र गिरधारी

अक्षरांकन : मुद्रा विभाग, पाठ्यपुस्तक मंडळ,
'बालभारती', सेनापति बापट मार्ग, पुणे.

निर्मिति : श्री सच्चिदानंद आफळे, मुख्य निर्मिती अधिकारी
श्री संजय कांबळे, निर्मिति अधिकारी
श्री नितीन वाणी, निर्मिति सहायक

कागज : ७० जीएसएम क्रीमवोव

मुद्रणादेश : एन. पीटीजी. / टीबी. २०११-२०१२ संख्या : १.००

मुद्रक : श्याम ब्रदर्स, गणेशपेठ, नागपूर - १८

प्रकाशक : श्री विवेक गोसावी, प्र. नियंत्रक
पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ, प्रभादेवी, मुंबई - ४०० ०२५.

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई-बहन हैं।

मुझे अपने देश से प्यार है। अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी। उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

प्रस्तावना

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२००४' के अनुसार महाराष्ट्र राज्य ने 'प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा का पाठ्यक्रम' तैयार किया है।

शासन द्वारा स्वीकृत हिंदी प्रथम भाषा तथा द्वितीय भाषा के पाठ्यक्रम के आधार पर महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ द्वारा क्रमशः पहली से आठवीं कक्षा और पाँचवीं से आठवीं कक्षा तक की हिंदी भाषा की पाठ्यपुस्तकें तैयार की जा रही हैं। इसी के अंतर्गत पहली कक्षा के लिए प्रथम भाषा की 'हिंदी बालभारती-पहला भाग' पाठ्यपुस्तक आपके हाथों में देते हुए हमें बड़ा हर्ष हो रहा है।

पिछली शृंखला के आधार पर इस शृंखला की पहली कक्षा की भाषा एवं गणित विषयों की पुस्तकें दो भागों में उपलब्ध करा देने का निर्णय लिया गया है। पहले छह महीनों के लिए भाग एक और दूसरे छह महीनों के लिए भाग दो; इस प्रकार दो पुस्तकें हाथ में आने पर विद्यार्थियों को अध्ययन करते समय आनंद होगा और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ भी नहीं पड़ेगा।

हिंदी भाषी छात्रों के लिए प्रथम भाषा हिंदी की पाठ्यपुस्तक में भाषा की आधारभूत क्षमताओं श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन और लेखन को अध्ययन का आधार बनाया गया है। छात्र इनका उपयोजन कुशलतापूर्वक कर सकें, इसलिए इन्हें पारंपरिक रूप में न देते हुए व्यावहारिक रूप में दिया गया है। अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया बालकेंद्रित और आनंददायी हो, इस व्यापक दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर पुस्तक की रचना की गई है। पाठ्यपुस्तक में इसपर बल दिया गया है कि छात्र प्रयोग के माध्यम से भाषा की संरचना को समझें।

समीक्षण सत्र में आमंत्रित समीक्षकों के सुझावों और मतों पर विचार करके पुस्तक को अंतिम रूप दिया गया है। इस पुस्तक के लेखन, संपादन कार्य में हिंदी भाषा के निमंत्रित सदस्यों, भाषाविदों - डा. हेमचंद्र वैद्य, श्री श्याम आगळे, श्री शशि निघोजकर तथा चित्रकार ने आस्थापूर्ण परिश्रम किए हैं। मंडळ इनके तथा रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करता है।

आशा है कि छात्र, अध्यापक एवं अभिभावक इस पुस्तक का स्वागत करेंगे।

(डा. वसंत काळपांडे)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

पुणे
दिनांक : ३० मार्च २००६
चैत्र शु. २, शके १९२८

दो शब्द

यह पाठ्यपुस्तक नए पाठ्यक्रम पर आधारित भाषा के नूतन प्रयोगों और विविध विषयों के साथ आपके सम्मुख प्रस्तुत है। **पाठ्यपुस्तक में क्रमिक और श्रेणीबद्ध क्षमताधिष्ठित पाठ्यसामग्री दी गई है।** प्रस्तुत पुस्तक में **वर्णमाला, मात्रा, संयुक्ताक्षर** आदि की पहचान, एक वर्ण के लिए एक शब्द-चित्र तथा अनेक लययुक्त शब्दों द्वारा की गई है। इनको **पहचानने के लिए रेखांकित करना, चित्र-शब्द की जोड़ी मिलाना आदि रोचक खेल देकर उनका अभ्यास कराया गया है।** इसमें **स्वाध्यायों की संख्या विपुल है।** छात्र स्वयंप्रेरित होकर खेल-खेल में स्वाध्याय करेंगे। अतिरिक्त स्वाध्याय भी अभ्यास के रूप में दिए गए हैं। अतः छात्रों के लिए **अतिरिक्त स्वाध्याय-पुस्तिका अपेक्षित नहीं है।** इससे बस्ते का बोझ भी कम होगा। पुस्तक में क्षमताधिष्ठित उपक्रमों का समावेश किया गया है। **ये उपक्रम छात्रों को व्यक्तिगत, सामूहिक, परिसर तथा समाज के दैनिक व्यवहार से जोड़कर सक्रिय** बनाते हैं। इसमें अध्यापन के लिए **प्रचुर मात्रा में अध्यापन संकेत** दिए गए हैं। **निर्देशानुसार एवं अपनी नव-नवीन प्रयोगशीलता द्वारा अध्यापन कार्य करना आवश्यक है।** इससे अध्यापन कार्य सरल, सुगम एवं प्रभावशाली होगा। इस पुस्तक में छात्रों को स्वयं-अध्ययन हेतु प्रेरित करने के लिए अधिकाधिक शब्द, पाठ्यांश दिए गए हैं। **स्वयं-अध्ययन करने के फलस्वरूप उनकी विचारशक्ति और कल्पनाशीलता को प्रेरणा प्राप्त होगी।** इस पुस्तक का **मूल्यांकन निरंतर होनेवाली प्रक्रिया है।** इसमें **श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन और लेखन इन चारों क्षमताओं का समान मूल्यांकन अपेक्षित है।**

अध्यापन-कार्य हेतु विशेष सूचनाएँ

(१) अध्यापन संकेत पढ़कर ही अध्यापन कार्य करें।
(२) पाठ्यपुस्तक के उपक्रम सुनाकर करवा लें।
(३) पाठ्यपुस्तक के अंत में दिए गए पाठ के शब्दार्थों का उपयोग करें।
(४) क्षमतानुसार अध्यापन के पश्चात छात्रों को वर्णमाला, मात्रा, संयुक्ताक्षर वाचन, लेखन के अभ्यास के लिए श्रवण, संभाषण के पाठ्यांश का उपयोग करें।

आशा है कि आप पुस्तक का अध्यापन कार्य कुशलतापूर्वक करेंगे। फलस्वरूप हिंदी विषय के प्रति छात्रों में अभिरुचि और आत्मीयता की भावना निर्माण होगी एवं उनका सर्वांगीण विकास होगा।

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ	पृष्ठ
	पहली इकाई	
१.	शब्द मेरे	१
२.	साहस	२
३.	सूरज और पंछी	३
४.	मीठी नींद	४
५.	बढ़ते जाओ	५
६.	सौंफवाला पत्थर	६
७.	क्या भूल गए	७
८.	पहचान हमारी - भाग (१)	८
९.	वह है कौन	१७
१०.	पहचान हमारी - भाग (२)	१८
११.	हम	२६
१२.	सैर	२७
१३.	घरौंदा	२८
	दूसरी इकाई	
१.	शब्द नए	२९
२.	समझदारी	३०
३.	पतंग	३१
४.	चतुर गीदड़	३२
५.	दस और बस	३३
६.	भैंस की चाय	३४
७.	कहाँ-क्या मिलता है	३५
८.	जोड़ो हमें - भाग (१)	३६
९.	सनकू और मनकू	४३
१०.	जोड़ो हमें - भाग (२)	४५
११.	मैं हूँ	५१
१२.	गुड्डा-गुड़िया	५२
१३.	फूलमाला	५३

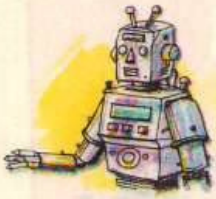

• पहचानो और बोलो :

१. शब्द मेरे

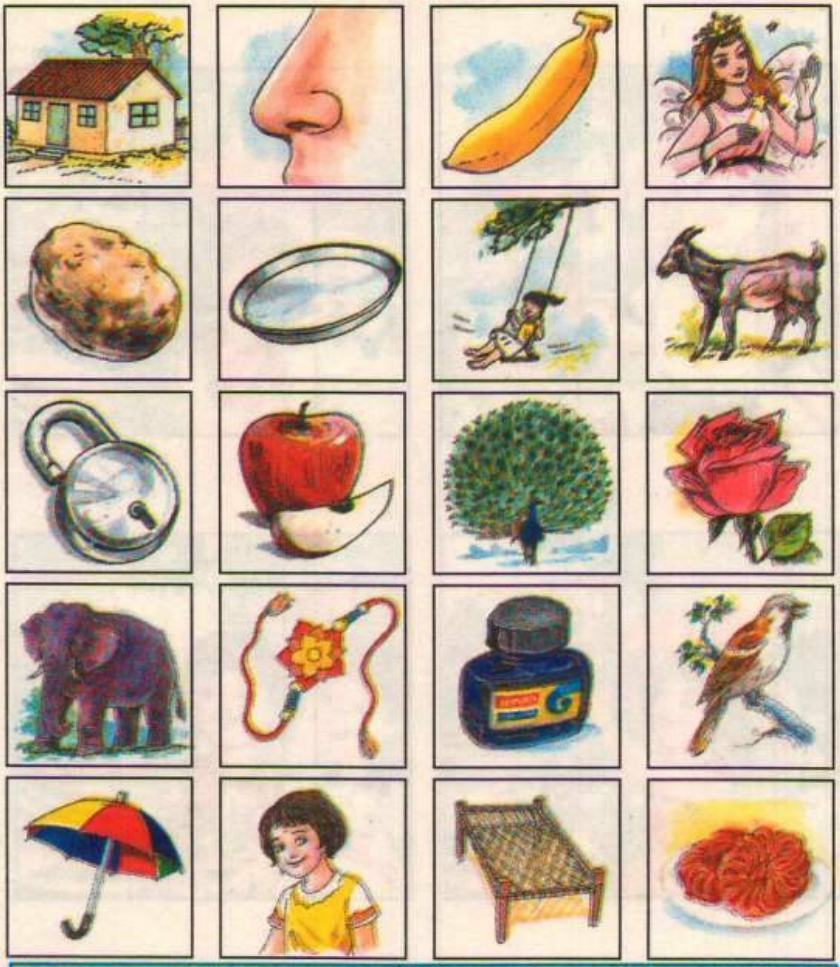

★ **उपक्रम :** छात्र शरीर के अवयवों के नाम बताएँ।

❑ **अध्यापन संकेत :** तालिका में दिखाए गए चित्र छात्रों को दिखाकर उनके नाम बताने के लिए कहें। अन्य सरल एवं परिचित चित्र दिखाएँ तथा सभी छात्रों को बोलने का अवसर दें। **पाठ्यपुस्तक के सभी उपक्रम सुनाकर उन्हें छात्रों से करवा लें।**

• देखो, समझो और बताओ :

२. साहस

★ छात्र कक्षा के अंदर दिखाई देनेवाली वस्तुओं के नाम बताएँ।

❑ चित्र दिखाकर छात्रों से सर्वप्रथम शब्द, फिर छोटे-छोटे वाक्य कहलवा लें। तत्पश्चात पूरी कहानी सुनाएँ। छात्रों से इसी प्रकार अन्य रोचक कथाचित्रों का अभ्यास कराएँ।

● सुनो और गाओ :

३. सूरज और पंछी

तमक तमक तम ता ता ता,
सूरज तू जल्दी से आ।
गमक गमक गम गा गा गा,
सुबह हुई, अब हमें जगा।

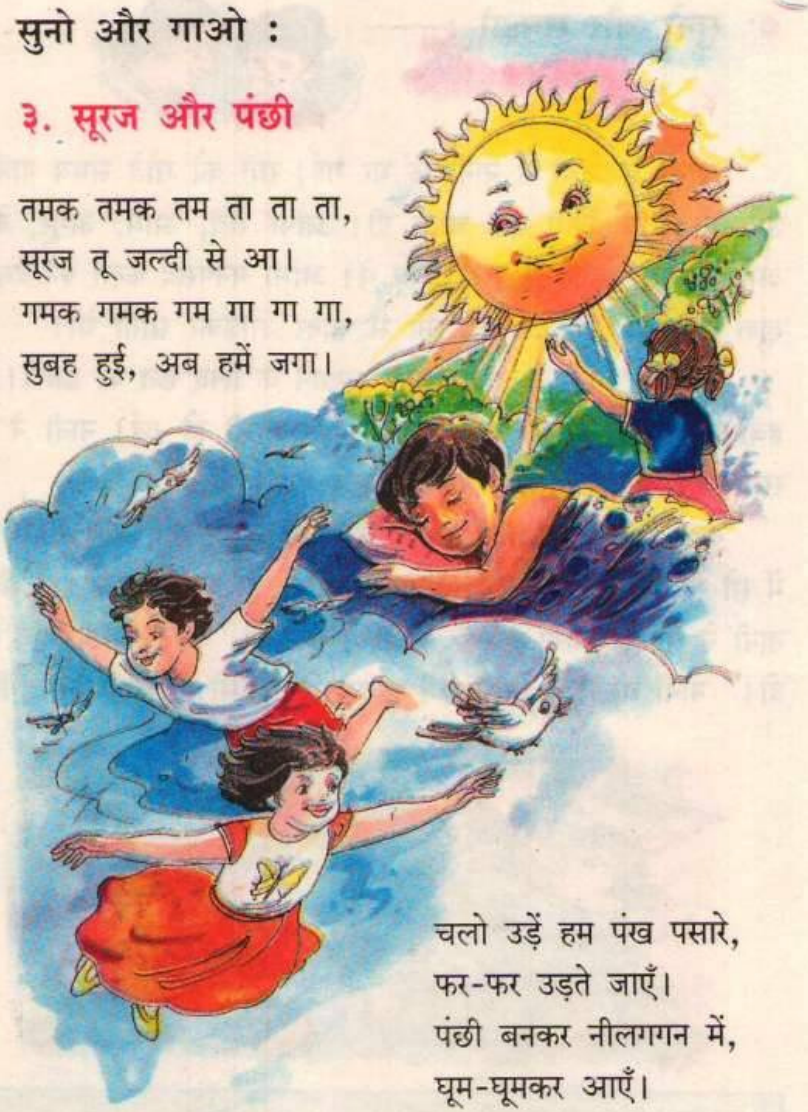

चलो उड़ें हम पंख पसारे,
फर-फर उड़ते जाएँ।
पंछी बनकर नीलगगन में,
घूम-घूमकर आएँ।

★ छात्र सुने हुए बालगीतों में से कोई एक बालगीत सुनाएँ।

❑ बालगीतों को उचित लय, हाव-भाव एवं स्पष्ट उच्चारण के साथ दो-तीन बार सुनाएँ। छात्रों से उन्हें दोहरवाकर कंठस्थ करवाएँ। अन्य बालगीतों का अभ्यास कराएँ।

● सुनो और समझो :

४. मीठी नींद

आभा छुट्टियों में नानी के घर गई। रात को सोते समय नानी ने उसे ओढ़ने के लिए एक चादर दी। उसपर सेब, आम, अंगूर, केला अमरूद आदि फलों के सुंदर चित्र थे। आभा मनपसंद फलों को देखकर खुश हुई। वह प्रतिदिन बड़े प्रेम से चादर ओढ़कर सोती थी।

एक दिन नानी ने चादर धोकर सुखाने के लिए छत पर डाली। तेज हवा आई और चादर उड़ गई। आभा रुआँसी हो गई। नानी ने उसे समझाया और वे चादर खोजने निकल पड़ीं।

कुछ ही दूरी पर तीन छोटे बच्चे उस चादर को ओढ़े गहरी नींद में सो रहे थे। आभा बोली, "नानी ! मैं तो इसे अकेली ओढ़ती थी।" नानी ने पूछा, "क्या करें ?" आभा ने कहा, "इन्हें मीठी नींद सोने दो।" नानी बोली, "आभा, मैं तुम्हारे लिए ऐसी ही चादर ला दूँगी।"

★ छात्र घर जाकर कहानी सुनाएँ।

❑ कहानी को आवश्यकतानुसार छोटे-छोटे अंशों में बाँटकर तीन-चार बार सुनाएँ। छोटे-छोटे प्रश्न पूछकर यह सुनिश्चित करें कि छात्रों ने समझते हुए सुना है। अन्य कहानियाँ सुनाकर दोहरवा लें। छात्रों को फलों की तालिका दिखाकर उनके नाम और रंग पूछें।

● सुनो, बोलो और करो :

५. बढ़ते जाओ

नाचो, कूदो
ताली बजाओ।

झूमो, गाओ
मौज मनाओ।

दौड़ो, पकड़ो
शोर मचाओ।

खाओ, पियो
खुशियाँ लुटाओ।

हँसो, खेलो
मन बहलाओ।

पढ़ो, लिखो
बढ़ते जाओ।

★ छात्र आदेश सुनकर कसरत करें।

❑ अभिनय के साथ दो-तीन बार गीत सुनाएँ। शब्दों के अर्थ बताकर छात्रों से साभिनय गीत कहलवा लें। देखें कि छात्र गीत के बोल और क्रियाओं का एक साथ प्रयोग करता है। गीत व्यक्तिगत रूप से गवाएँ। इसी प्रकार अन्य अभिनय गीतों को दोहरवा लें।

• सुनो, समझो और बोलो :

६. सौंफवाला पत्थर

बुआ : प्रकाश, क्यों रो रहे हो ?

प्रकाश : मुझे सौंफवाला पत्थर चाहिए।

अमिता : अरे, पत्थर खाने से तुम्हारे दाँत टूट जाएँगे।

मामा : क्या पत्थर खाना अच्छी बात है ?

बुआ : प्रकाश, रोना बंद करो। अमिता, जरा सौंफ लाना।
(सौंफ देखते ही प्रकाश का रोना बंद हो गया।)

प्रकाश : बुआ जी, मुझे सौंफवाला पत्थर मिल गया। खाकर देखो ; कितना मीठा है !

मामा : अरे ! यह तो मिश्री है।
(सब हँसने लगते हैं।)

★ छात्र अपना नाम और अपने घर के बारे में जानकारी दें।

❑ संवाद उचित रीति से सुनाएँ, जिससे छात्र रुचि के साथ सुनें। कुछ ऐसे प्रसंगों का निर्माण करें, जिनके आधार पर छात्र संवाद करें। इसी प्रकार के अन्य प्रसंग सुनाएँ।

● सोचो और बताओ :

७. क्या भूल गए ?

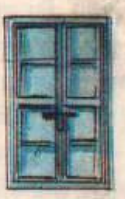

❑ चित्रों की कमी पर चर्चा करते हुए जोड़ियाँ मिलवाएँ। छात्रों से चित्र पूरे करवा लें।

• सुनो, पढ़ो और लिखो :

८. पहचान हमारी - भाग (१)

८. पहचान हमारी - भाग (१) के पृष्ठ ९ से १६ पर आधी वर्णमाला पढ़ाई गई है। पृष्ठ १७ पर मनोरंजन के लिए पहेलियाँ दी गई हैं। शेष वर्णमाला **१०. पहचान हमारी - भाग (२)** के पृष्ठ १८ से २५ पर पढ़ाई गई है। इस प्रकार संपूर्ण वर्णमाला का अध्ययन पृष्ठ ९ से २५ पर होगा। इनका अध्यापन नीचे दिए गए **अध्यापन संकेत** द्वारा समझ लें। उसी प्रकार छात्रों से अभ्यास करवाएँ। प्रत्येक पृष्ठ पढ़ाने के पश्चात **उपक्रम** करवा लें।

• **उपक्रम :** छात्र पढ़े हुए प्रत्येक वर्ण के पाँच शब्द बताएँ।

❑ **अध्यापन संकेत :** संपूर्ण पाठ्यसामग्री का मूल उद्देश्य वर्णमाला के वर्णों की पहचान कराना और पढ़ाना है। इसके लिए क्रमशः चित्रों, शब्दों और वर्णों का नियोजन किया गया है। इनके निरंतर अभ्यास द्वारा दृढ़ीकरण करवाएँ। चित्रों को छोड़कर शब्दों के अर्थ बताना अपेक्षित नहीं है। देखें कि इसमें सभी छात्र सहभागी हों। वर्णमाला का परिचय क्रमशः पहले और दूसरे पृष्ठ पर कराया गया है।

पहला पृष्ठ - पहचानो और बोलो : सर्वप्रथम प्रत्येक पृष्ठ पर दिए गए चित्र की पहचान करवाएँ और उनके नाम कहलवा लें। सभी छात्रों से दोहरवा लें।

✱ (अ) सभी पंक्तियों के प्रथम शब्द ऊपर दिए गए चित्रों के हैं। शब्द की प्रथम ध्वनि के प्रतीक (वर्ण) की ओर छात्रों का ध्यान आकर्षित करें।

(आ) सभी पंक्तियों के प्रथम शब्द दूसरे पृष्ठ के अंत में दिए गए चित्रों के हैं। छात्र ध्वनि के साथ ध्वनि प्रतीकों को (वर्णों) समझने लगें तब वर्णों के लिखित रूप की पहचान का अभ्यास करवाएँ। यहाँ ऊपर पढ़ाए गए सभी वर्णों की पहचान के लिए प्रत्येक वर्ण का क्रम बदलकर शब्द दिए गए हैं। छात्रों को उन्हें पहचानने और दिखाए गए आकार के अनुसार उन वर्णों को चिह्नांकित करने के लिए कहें। पहचान होने तक अभ्यास करवाएँ।

दूसरा पृष्ठ - पढ़ो : पढ़ाए गए वर्ण और उनसे बने शब्द पढ़ने के लिए दिए गए हैं। इन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर स्वयं बोलें और छात्रों से अनुवाचन करवाएँ। तत्पश्चात इनसे व्यक्तिगत रूप से वाचन करवा लें। वर्णों, शब्दों के कार्ड तैयार करें। उनसे छात्रों को शब्द और वाक्य बनाने के लिए कहें। इस खेल में सभी को अवसर दें। आवश्यकतानुसार सहायता करें। शब्दों के अर्थ बताना अपेक्षित नहीं है।

✱ वर्ण एवं चित्र की जोड़ियाँ मिलवा लें। छात्रों का प्रथम ध्वनि प्रतीकों की ओर ध्यान आकर्षित करें।

● पहचानो और बोलो :

✻ (अ) सुनो और दोहराओ :

फल	फन	फसल	फकीर	फरीदा	फव्वारा
नल	नया	नदी	नमक	नकुल	नटखट
हल	हम	हवा	हथेली	हमीद	हलवाई
मटर	महल	मगर	मधुर	मसाला	मनोज
अनार	अलग	अपना	अमित	अकेला	अदरक
टमाटर	टट्टू	टहनी	टखना	टकसाल	टमटम

(आ) देखो और करो :

फ़रसा	सफल	जिराफ	सीताफल
नथ	धन	जनक	अजनबी
हथौड़ा	यह	नहर	मनोहर
मछली	आराम	कमरा	अहमद
अमरूद	तुअर	अतीत	महुअर
टब	घुटना	झटपट	कटहल

● पढ़ो :

न	फ	ह	अ	ट	म

अट फट नट हम नम टम

मन फन टन अह टह नह

अमन नमन मनन हनन टमन फनन

फनफन टनटन टमटम नमनम फटफट नटनट

✱ जोड़ियाँ मिलाओ :

म

अ

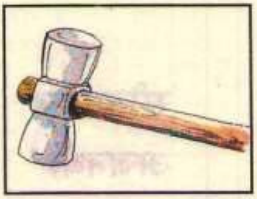

न

ह

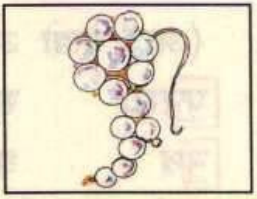

फ

ट

● पहचानो और बोलो :

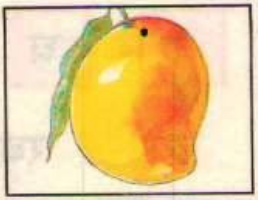
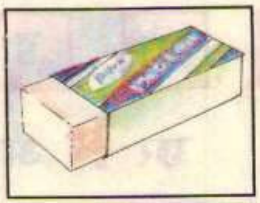

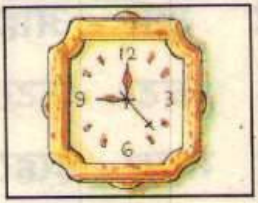
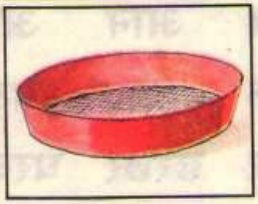

✱ (अ) सुनो और दोहराओ :

आम	आज	आग	आशा	आराम	आकाश
रबड़	रस	रतन	रजनी	रमजान	रविवार
बतख	बरफी	बकरी	बगीचा	बरतन	बलवान
घड़ी	घर	घटा	घना	घनघोर	घबराना
छलनी	छत	छकड़ा	छतरी	छछूंदर	छमछम
इमली	इत्र	इधर	इतना	इमारत	इलायची

(आ) देखो और करो :

आईना	कौआ	कछुआ	आजाद
रस्सी	शहर	सरल	समाचार
बस	तालाब	बबन	अकबर
घड़ा	मेघ	राघव	डाकघर
छड़ी	मछली	मूँछ	बछड़ा
इंद्रधनुष	साइकिल	इमरती	बाइबिल

❑ इन पृष्ठों का अध्यापन करने से पहले पृष्ठ क्रमांक ८ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़ें।

● पढ़ो :

ब	छ	आ	इ	र	घ

घर बर छर अब इब रब

आम आब आन आट आर आह

अरब बरफ इरन मटर चटर फटर

टरटर फरफर छरछर घरघर मरमर हरहर

रमन आ। बबन घर आ।

✱ जोड़ियाँ मिलाओ :

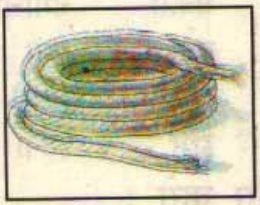

आ	घ	ब	र	इ	छ

● पहचानो और बोलो :

✱ (अ) सुनो और दोहराओ :

ईंट	ईश्वर	ईद	ईरान	ईशान	ईमानदार
पतंग	पवन	पहाड़	पगड़ी	पलाश	पतवार
वजन	वचन	वरुण	वनिता	वतन	वरदान
उल्लू	उपाय	उजाला	उड़ान	उपदेश	उपवास
गमला	गगन	गरम	गजरा	गणेश	गरदन
तबला	तब	तप	तकली	तनुजा	तकिया

(आ) देखो और करो :

ईख	सुई	आईना	बढ़ई
पपीता	जीप	दीपक	गपशप
वकील	गौरव	सावन	उपवन
उपला	उधर	उमंग	उमेश
गदा	गागर	अलग	अजगर
तराजू	रात	बोतल	भारत

❑ इन पृष्ठों का अध्यापन करने से पहले पृष्ठ क्रमांक ८ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़ें।

● पढ़ो :

प	त	ई	व	उ	ग

पत इत मत वर उर गर

गम तम नम आई आप आग

अवन हवन पवन गगन मगन छगन

अनबन तनमन अटपट छटपट अरहर छरहर

मगन छत पर आ। पवन फटफट मत आ।

✻ जोड़ियाँ मिलाओ :

व प

ई त

ग उ

● पहचानो और बोलो :

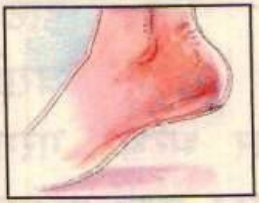

✱ (अ) सुनो और दोहराओ :

ऊन	ऊंब	ऊपर	ऊधम	ऊखल	ऊदबिलाव
थपकी	थल	थप्पड़	थमना	थपेड़ा	थकान
भवन	भला	भजन	भगत	भतीजा	भगवान
ऋषि	ऋतु	ऋचा	ऋतुजा	ऋषभ	ऋतिक
एड़ी	एकता	एकाध	एकाकी	एकदम	एकलव्य
झरना	झट	झलक	झपकी	झगड़ा	झनकार

(आ) देखो और करो :

ऊँट	गऊ	ऊनी	जड़ाऊ
थन	हाथ	साथ	पथरीला
भट्टी	नभ	अभय	अनुभव
ऋण	उऋण	अऋण	ऋतुराज
एक	आएगा	कहिए	एकाकी
झरोखा	झंझट	समझ	झरझर

❑ इन पृष्ठों का अध्यापन करने से पहले पृष्ठ क्रमांक ८ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़ें।

● पढ़ो :

ए	भ	ऊ	ऋ	झ	थ
झर	थर	भर	झन	भन	वन
एत	ऋत	थट	झट	नभ	रभ
थरन	झरन	ऊरन	वरई	पवई	भवई
थरथर	झरझर	भरभर	गरगर	तरतर	बरबर

भरत ऊपर आ। परब झटपट मत आ।

✱ जोड़ियाँ मिलाओ :

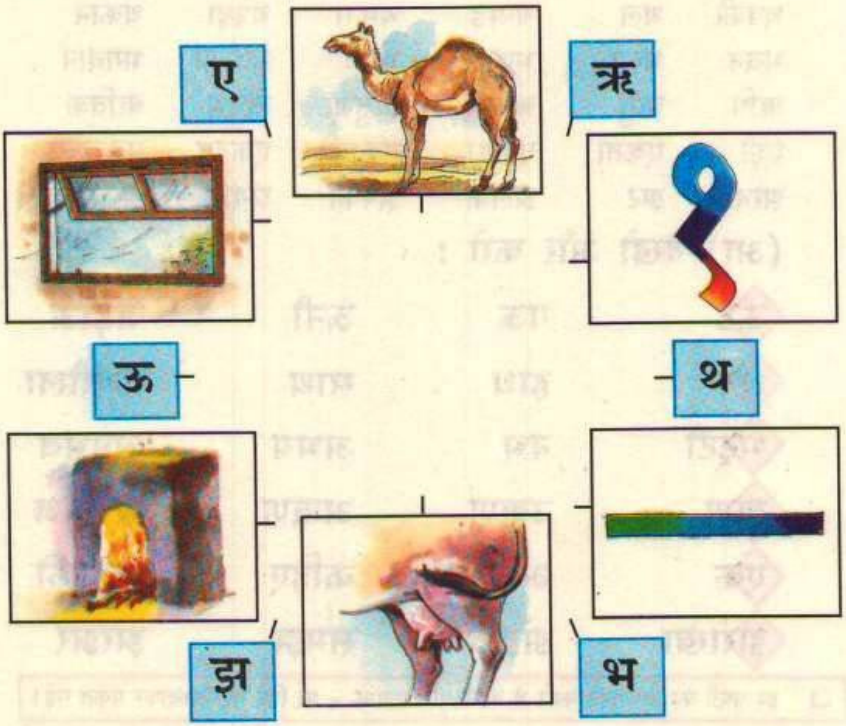

• सुनो और बताओ :

९. वह है कौन ?

खेत जोतकर, फसल उगाता,
बताओ बच्चो, वह है कौन ?

कपास धुनकर, कपड़े बुनता,
बताओ बच्चो, वह है कौन ?

मिट्टी रौंदकर, मटका बनाता,
बताओ बच्चो, वह है कौन ?

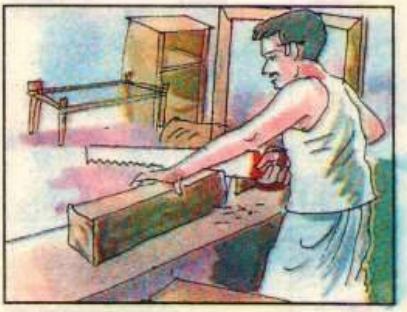

लकड़ी काटकर, खटिया बनाता,
बताओ बच्चो, वह है कौन ?

बंदूक तानकर, देशरक्षक कहलाता,
बताओ बच्चो, वह है कौन ?

❑ छात्रों को कविता सुनाकर कार्य करनेवालों के नाम और उनके कार्यों को कहलवा लें। उनके महत्व को समझाएँ। इस प्रकार के अन्य व्यावसायिकों के नाम पूछकर उनकी जानकारी दें।

● पहचानो और बोलो :

१०. पहचान हमारी - भाग (२)

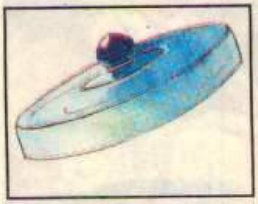

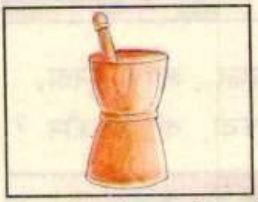

✻ (अ) सुनो और दोहराओ :

ढकना	ढब	ढलान	ढलाई	ढरकी	ढमढम
सड़क	सच	सरल	समय	सपना	समीर
ऐनक	ऐसा	ऐब	ऐन	ऐश्वर्य	ऐरागैरा
ओखली	ओर	ओज	ओला	ओट	ओझल
जलेबी	जल	जप	जमीला	जगमग	जगत
कटोरी	कल	कमीज	कमर	कपड़ा	कबूतर

(आ) देखो और करो :

ढलान	बेढंगा	ढरकी	ढमढम
सरौता	बस	कसम	बनारस
ऐरावत	ऐक्य	ऐच्छिक	ऐतिहासिक
ओस	आओ	ओज	उठाओ
जहाज	मेज	सजग	आजकल
कमल	झलक	जोकर	कसरत

❑ इन पृष्ठों का अध्यापन करने से पहले पृष्ठ क्रमांक ८ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़ें।

● पढ़ो :

ज	ढ	ऐ	क	ओ	स

सज	भज	रज	कप	जप	तप
ओज	ओस	ओक	ऐन	ऐब	ऐट
जगन	सधन	अगन	समर	असर	मगर

सनसन झनझन जरजर करकर ढमढम थमथम

ओजस कप भर, ढक मत।

✻ जोड़ियाँ मिलाओ :

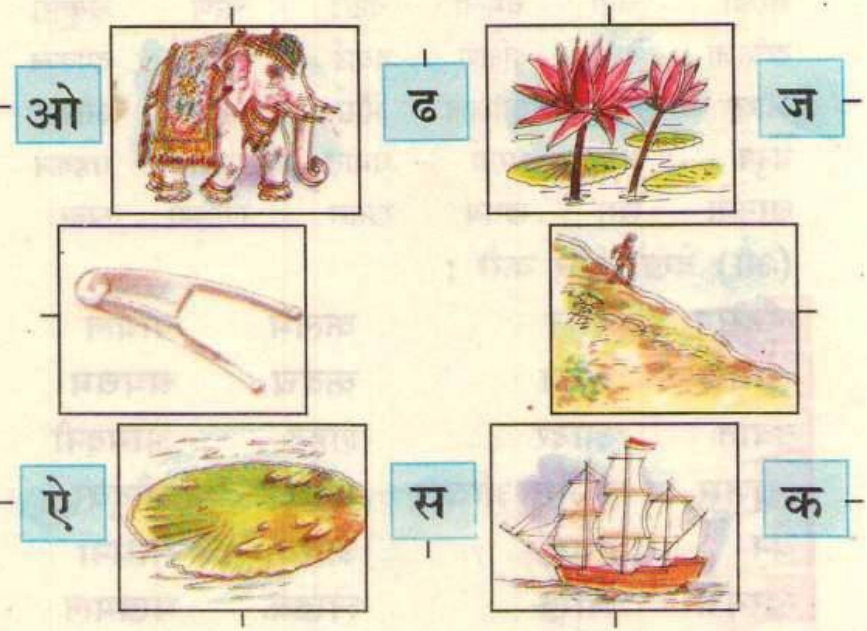

● पहचानो और बोलो :

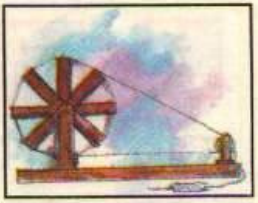

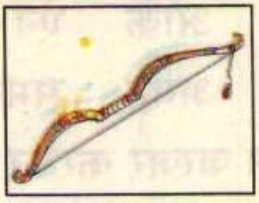

✱ (अ) सुनो और दोहराओ :

लड़का	लता	लगन	ललित	लकड़ी	लहसुन
चरखा	चतुर	चमेली	चटाई	चरण	चबूतरा
दरवाजा	दस	दक्षिण	दवाई	दवात	दमकल
औरत	और	औलाद	औसत	औषध	औटाना
धनुष	धन	धरना	धमाल	धरती	धड़कन
खरगोश	खस	खराब	खतरा	खड़िया	खबर

(आ) देखो और करो :

लहसुन	गाल	कलम	पायल
चम्मच	वचन	कवच	चमचम
दवात	आदर	शहद	आमदनी
औजार	छुआछुऔवल	औघ	औदुंबर
धन	इधर	अवध	साधना
खरबूज	लाख	लेखक	मखमल

❑ इन पृष्ठों का अध्यापन करने से पहले पृष्ठ क्रमांक ८ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़ें।

● पढ़ो :

द	ल	ध	ख	औ	च

अगल बगल अगर मगर औरत औषध
अकल नकल चहल पहल इधर उधर
खनखन धकधक चरचर दलदल खचखच
वरद आम और ईख चख।
चरण ऐनक उधर रख और नल पर चल।

✻ जोड़ियाँ मिलाओ :

● पहचानो और बोलो :

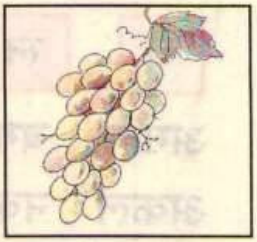
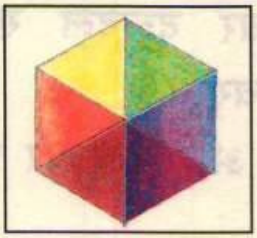

✱ (अ) सुनो और दोहराओ :

ठप्पा	ठहर	ठग	ठहाका	ठसका	ठकठक
डमरू	डर	डफ	डंडा	डगर	डलिया
अंगूर	अंक	अंत	अंगद	अंकित	अंजली
षटकोण	षट	षटक	षष्ठी	षटऋतु	षडयंत्र
शहनाई	शरद	शक्कर	शतक	शहीद	शरण

(आ) देखो और करो :

ठठेरा	गठरी	पाठ	बैठक
डफली	निडर	डरावना	डमडम
अंजीर	बेअंत	अंशुल	सुअंब
षट	विषय	सुभाष	संभाषण
शलजम	महेश	शशांक	गणवेश

❑ इन पृष्ठों का अध्यापन करने से पहले पृष्ठ क्रमांक ८ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़ें।

● पढ़ो :

ड	ठ	श	अं	ष

डगर मगर ठहर शहर अगर नगर

चटपट नटखट झटपट खटपट सटवट तटवट

अंगद ठकठक मत कर।

अंश आम और कलश इधर रख।

ऋषभ ठहरकर डगर पर चल।

शरद ठहर, कटहल उधर रख।

✱ जोड़ियाँ मिलाओ :

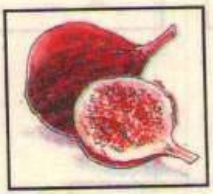

ठ

श

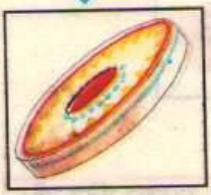

ड

ष

अं

• पहचानो और बोलो :

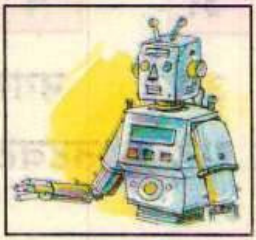

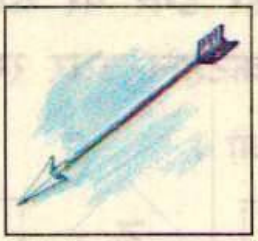

❑ इन पृष्ठों का अध्यापन करने से पहले पृष्ठ क्रमांक ८ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़ें। ऊपर दिए गए चित्रों के नामों में कुछ वर्ण शब्दों के मध्य और अंत में ही प्रयुक्त होते हैं। इस ओर विशेष ध्यान दिलवाएँ। इसी प्रकार छात्रों से अन्य शब्द दोहरवा लें।

● पढ़ो :

य	ज्ञ	ढ़	त्र	ड़	क्ष	श्र	ण

यह वह तज्ञ अज्ञ पत्र सत्र
बड़बड़ पढ़पढ़ यमयम क्षतक्षत यत्रतत्र कक्षपक्ष
ओम बड़बड़ मत कर।
श्रवण उठ, पत्र पढ़।
अहमद ठहर-ठहरकर इस ओर आ।
अक्षय, जय हल पकड़कर उस ओर चल।

✱ देखो और करो :

यंत्रमानव	विषय	यशोदा	गायन
यज्ञ	विज्ञान	विज्ञापन	ज्ञानदा
क्षत्रिय	क्षमा	कक्ष	सक्षम
श्रवणयंत्र	मिश्रण	परिश्रम	श्रवण
बाण	किरण	संगणक	गणतंत्र
पत्र	छत्र	मित्रता	पवित्र
खिड़की	पेड़	लड़की	गड़बड़
ओढ़नी	गढ़	पढ़	कढ़ाही

• सुनो, समझो और गाओ :

११. हम

ताल-कदम
धम-धम-धम
आगे-आगे
बढ़ते हम।

बजे नगाड़े
ढम-ढम-ढम
गीत खुशी के
पढ़ते हम।

चंदा चमके
चम-चम-चम
नई कहानी
गढ़ते हम।

कहें मुश्किलें
थम-थम-थम
फिर भी ऊँचे
चढ़ते हम।

- सूर्य कुमार पांडेय

★ छात्र पाठ्यपुस्तक में आए हुए मात्रारहित शब्दों के नीचे रेखा खींचें।

❑ कविता को उचित लय और स्पष्ट उच्चारण के साथ तीन-चार बार सुनाकर दोहरवा लें। आवश्यकतानुसार छोटे-छोटे अंशों में बाँटकर सुनाएँ। छात्रों को पूरी कविता समझाएँ अंत में प्रश्न पूछकर यह निश्चित करें कि उन्होंने समझते हुए सुना है।

• सुनो और समझो :

१२. सैर

शुभम घर में पानी के टब में कागज की नाव चला रहा था। अचानक नाव ने कहा, "मुझे इस टब में क्यों चला रहे हो ?" शुभम ने कहा, "तो तुम कहाँ चलना चाहती हो ?"

"चलो मेरे साथ" नाव ने कहा। शुभम नाव के साथ चल पड़ा। "यह क्या है ?" शुभम ने पूछा। "यह झरना है, इसमें मैं बहुत तेज चलती हूँ।" नाव बोली। कुछ देर बाद फैले हुए पानी को देखकर शुभम ने पूछा, "अरे, तुम इतनी धीरे क्यों चल रही हो ?" "यह नदी है। इसमें मैं धीमी चलती हूँ।" नाव ने कहा। आगे बढ़ने पर शुभम ने कहा, "अरी नाव ! यहाँ तो ऊँची लहरें हैं!" नाव ने हँसकर कहा, "यह सागर है। इसमें मेरे साथ-साथ बड़े जहाज भी चलते हैं।"

तभी शुभम खुशी से बोला, " माँ ! आज मैं सैर कर आया हूँ।"

★ छात्र समाचार देखें और सुनें।

❑ कहानी को आवश्यकतानुसार तीन-चार बार सुनाएँ; छात्रों से दोहरवा लें। चित्र दिखाकर प्रश्नोत्तर पद्धति द्वारा नदी, झरना, सागर की जानकारी दें। उनका महत्व बताएँ।

• सुनो, समझो और करो :

१३. घरौंदा

सामग्री : गीली रेत, मिट्टी, पानी, टहनियाँ, फूल-पत्तियाँ।

कृति : गीली रेत का ढेर लगाओ। रेत का बड़ा गोला लेकर अपने पैर के पंजे पर रखो। अब गीली रेत को हाथों से थपथपाओ। थोड़ी देर बाद धीरे-धीरे पंजे को बाहर निकालो। देखो, बन गया तुम्हारा घरौंदा।

घरौंदे के सामने मिट्टी का आँगन बनाओ। गीली मिट्टी के गोले बनाकर आँगन के चारों ओर रखो। उनमें छोटी-छोटी टहनियाँ लगाओ। आँगन के दोनों ओर मिट्टी के गोलों में फूल-पत्तियाँ लगाओ।

★ छात्र अपनी प्रत्येक वस्तु योग्य स्थान पर रखें।

❑ पाठ्यसामग्री पढ़कर सुनाएँ और कृति प्रत्यक्ष करके दिखाएँ। छात्रों को अन्य प्रकार के घरौंदे बनाने के लिए प्रेरित करें। उन्हें वस्तुओं को योग्य स्थान पर रखने का महत्व बताएँ।

• पहचानो और बोलो :

दूसरी इकाई

१. शब्द नए

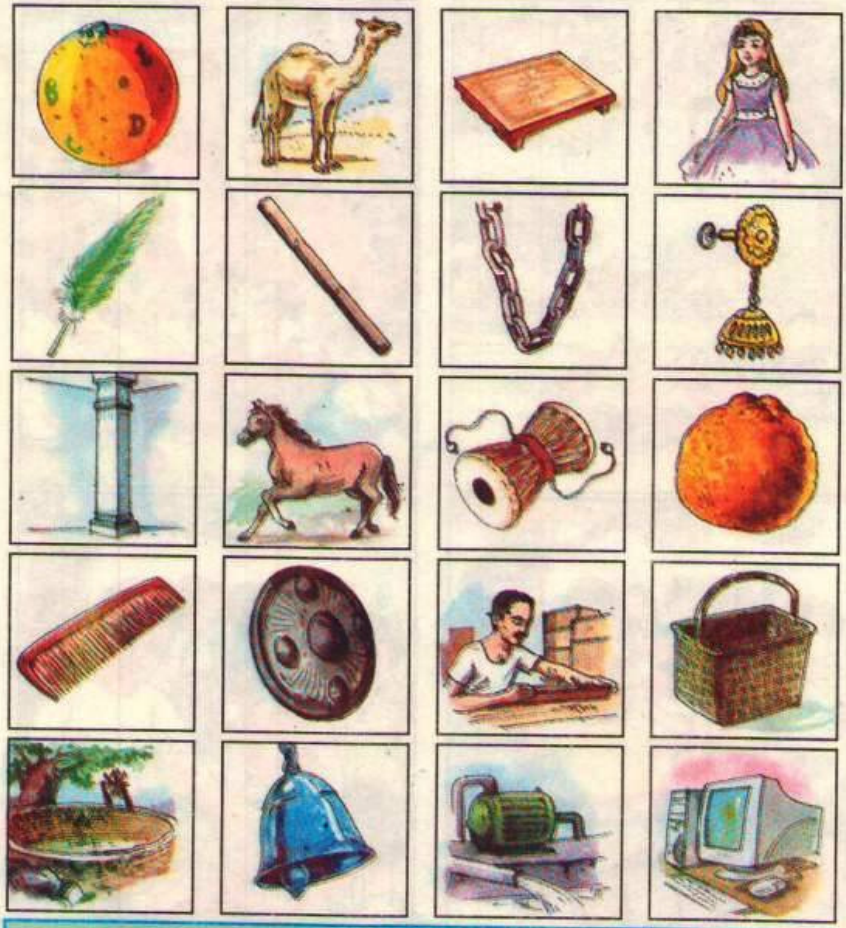

☆ छात्र किसी एक मिठाई का नाम और उसका आकार बताएँ।

❑ तालिका में दिए गए चित्र दिखाकर छात्रों से उनके नाम कहलवाएँ। प्रत्येक शब्द को उचित उच्चारण के साथ सुनाएँ और दो-तीन बार दोहरवा लें। अन्य सरल-परिचित शब्दों का अभ्यास करवाएँ। छात्रों को ऐसे शब्द ढूँढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। **पाठ्यपुस्तक के सभी उपक्रम सुनाकर छात्रों से करवा लें।**

• देखो, समझो और बताओ :

२. समझदारी

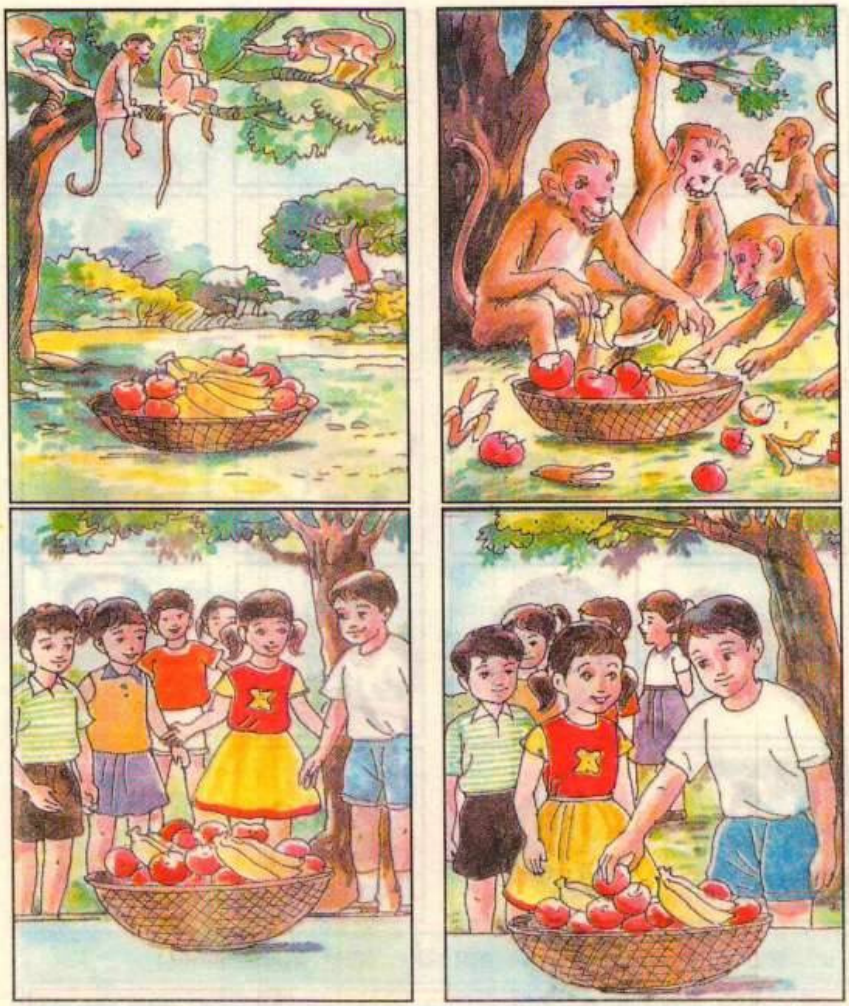

★ छात्र कक्षा के बाहर दिखाई देनेवाली वस्तुओं के नाम बताएँ।

❑ ऊपर दिए गए चित्र दिखाकर शब्द, फिर छोटे-छोटे वाक्य कहलवा लें। तत्पश्चात अपने शब्दों में कहानी बताने के लिए कहें। सभी छात्रों को बोलने का अवसर दें।

• सुनो और गाओ :

३. पतंग

यह मेरी रंगीन पतंग,
लाल, पीले, नीले रंग।
सर सर सर उड़ी पतंग,
आसमान में चली पतंग।

इसको काटा, उसको काटा,
खूब कर रही सैर-सपाटा।
अरे ! अचानक लड़ी पतंग,
देखो ! देखो ! कटी पतंग।

★ छात्र सुने हुए देशभक्ति के गीतों में से कोई एक देशभक्ति का गीत सुनाएँ।

❑ कविता को यथोचित लय, हाव-भाव, शुद्ध उच्चारण के साथ तीन-चार बार सुनाएँ। आवश्यकतानुसार उसे छोटे-छोटे अंशों में बाँटकर सुनाएँ। छात्रों से व्यक्तिगत तथा सामूहिक रूप में कविता सस्वर गवाएँ। कविता में आए हुए तथा अन्य रंगों की जानकारी देकर रंग पूछें। छात्रों के पास उपलब्ध उन रंगों की वस्तुओं को दिखाने के लिए कहें।

● **सुनो और दोहराओ :**

४. चतुर गीदड़

नदी में एक मगरमच्छ रहता था। एक दिन एक गीदड़ पानी पीने नदी के किनारे गया और पानी में घुसकर पानी पीने लगा। मगरमच्छ ने उसे देखा। वह मन-ही-मन खुश हुआ। उसने गीदड़ की टाँग पकड़ ली। गीदड़ जरा भी नहीं डरा। वह जोर से हँसने लगा। हँसते-हँसते उसने कहा, "मगरमच्छ भाई ! तुमने तो अपने दाँतों में लकड़ी पकड़ ली है। मेरी टाँग तो यह है।" गीदड़ ने अपनी दूसरी टाँग मगरमच्छ को दिखा दी। मगरमच्छ ने लकड़ी समझकर गीदड़ की टाँग छोड़ दी। गीदड़ तेजी से बाहर आया और बोला, "मगरमच्छ भाई ! तुम तो यह भी नहीं जानते कि लकड़ी कैसी होती है !"

इतना कहकर गीदड़ जंगल में भाग गया।

★ छात्र घर में सुनी हुई कोई कहानी सुनाएँ।

❑ कहानी को यथोचित हाव-भाव एवं स्पष्ट उच्चारण के साथ तीन-चार बार सुनाएँ। छोटे-छोटे प्रश्न पूछकर यह निश्चित करें कि छात्रों ने समझते हुए सुना है। अन्य कहानियों को छात्रों से दोहरवाएँ। उन्हीं को छोटे-छोटे अंशों में सुनाने के लिए कहें।

● सुनो और करो :

५. दस और बस

एक, बनो नेक।
दो, हाथ सेंक॥
तीन, बजा बीन।
चार, पाँव गिन॥
पाँच, करे नाच।
छह, भरे कुलाँच॥
सात, हुई बरसात।
आठ, निराली बात॥
नौ की नौका आई।
दस की बनी दहाई॥

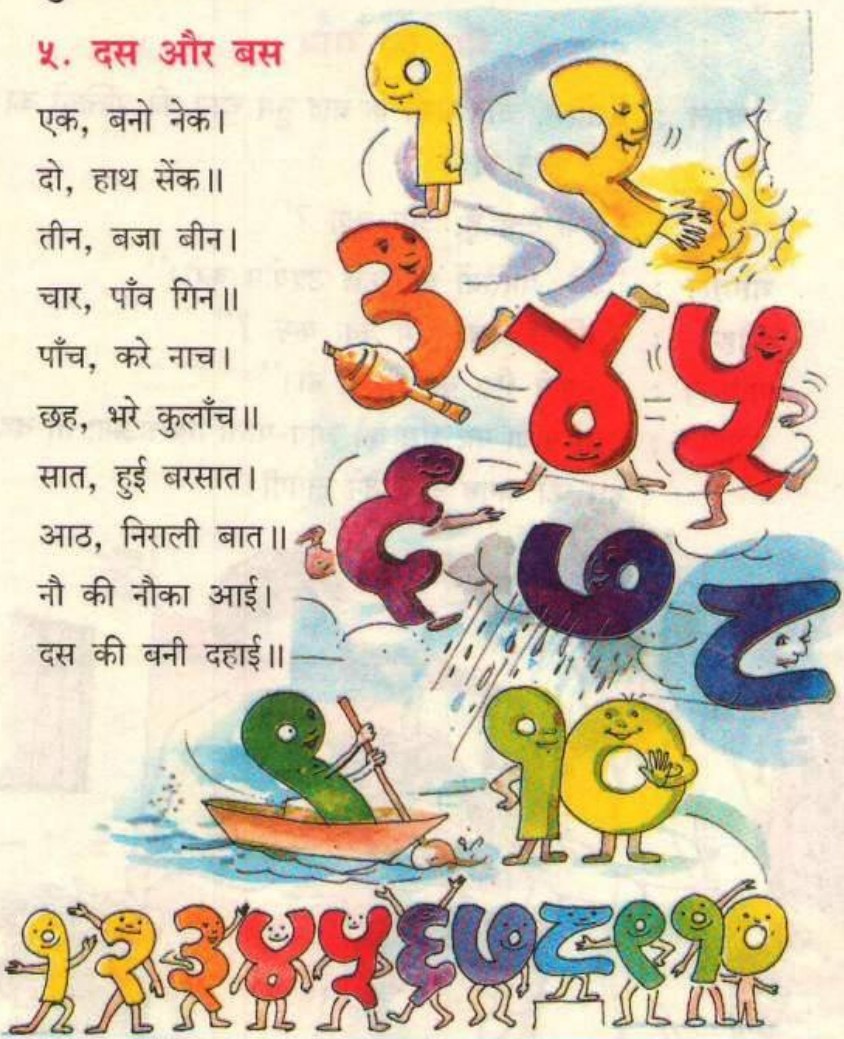

★ छात्र एक-दूसरे को कृति की सूचना देते हुए उनका पालन करें।

❑ अभिनय के साथ गीत सुनाएँ। सामूहिक रूप से गीत गवा लें। छात्रों के दो समूह बनाएँ। एक समूह का कोई एक छात्र संख्या बोले, दूसरे समूह का कोई दूसरा छात्र उतनी वस्तुएँ या उँगलियाँ दिखाए। इस प्रकार छात्रों से गिनती का अभ्यास करवा लें।

● सुनो और दोहराओ :

६. भैंस की चाय

गोपाल : "सोहन, चाय बनने के बाद तुम चाय की पत्तियों का क्या करते हो ?"

सोहन : "फेंक देता हूँ, और क्या ?"

गोपाल : "अरे, पत्तियों का कुछ उपयोग करो।"

सोहन : "पत्तियाँ रखकर मैं क्या करूँ ?"

गोपाल : "अपनी भैंस को खिला दो।"

सोहन : "ना बाबा ना; भैंस को चाय-पत्ती खिलाऊँगा तो वह दूध की जगह चाय देने लगेगी।"

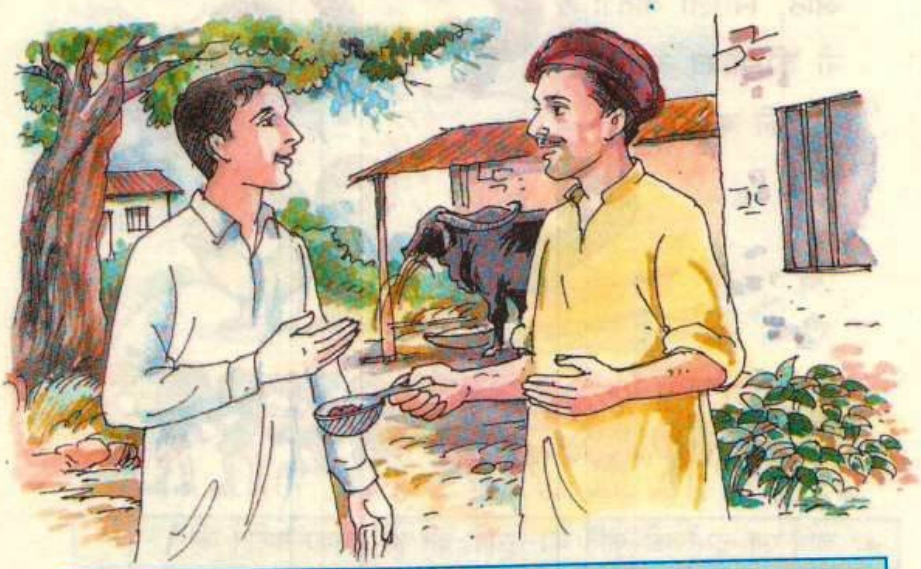

★ छात्र अपने मित्र और उनके घर के बारे में बातचीत करें।

❑ संवाद उचित रीति से सुनाएँ, जिससे छात्र रुचि के साथ सुनें। कक्षा में विविध प्रसंगों का निर्माण करें, जिनके आधार पर छात्र संवाद करें। इसी प्रकार के अन्य संवाद कहलवाएँ।

● सोचो और बताओ :

७. कहाँ-क्या मिलता है ?

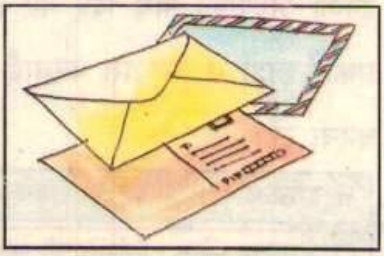

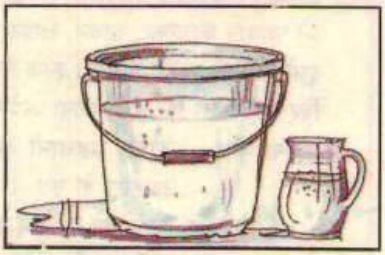

❑ छात्रों को चित्र दिखाकर उनसे संबंधित शब्द बताने के लिए कहें। फिर चित्रों की जोड़ियाँ मिलवा लें। इनके महत्व पर चर्चा करते हुए छात्रों से एक-एक वाक्य कहलवाएँ।

● **पढ़ो और लिखो :**

८. जोड़ो हमें - भाग (१)

८. **जोड़ो हमें - भाग (१)** के पृष्ठ ३७ से ४२ पर वर्ण लेखन पढ़ाया गया है। पृष्ठ ४३ और ४४ पर चित्रकथा दी गई है। शेष वर्ण लेखन **१०. जोड़ो हमें - भाग (२)** के पृष्ठ ४५ से ५० पर पढ़ाया गया हैं। इस प्रकार संपूर्ण वर्ण लेखन का अध्ययन पृष्ठ ३७ से ५० पर होगा। इनका अध्यापन नीचे दिए गए **अध्यापन संकेत** द्वारा समझ लें। इसी प्रकार छात्रों से अभ्यास करवाएँ। प्रत्येक पृष्ठ पढ़ाने के पश्चात **उपक्रम** करवा लें।

★ **उपक्रम :** छात्र पढ़े हुए प्रत्येक वर्ण के मात्रारहित दो-दो शब्द लिखें।

❑ **अध्यापन संकेत :** वर्णमाला की पहचान के बाद अब हमें वर्ण अवयव के आधार पर वर्ण की पहचान करवाकर, वाचन, लेखन कराना है। वर्ण लेखन का परिचय क्रमशः पहले और दूसरे पृष्ठ पर कराया गया है। इनके निरंतर अभ्यास द्वारा छात्रों से दृढ़ीकरण करवाएँ। यहाँ दिए गए शब्दों के अर्थ बताना अपेक्षित नहीं है।

पहला पृष्ठ - जोड़ो, पहचानो और बताओ : प्रत्येक चित्र में पहला वर्ण अवयव उदाहरण के रूप में जोड़कर दिखाया गया है। उनके आधार पर बिंदुओं को जोड़ने के लिए कहें। इनसे बने चित्रों की पहचान करवाकर उनके नाम कहलवा लें। चित्र बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

दूसरा पृष्ठ - पढ़ो : सर्वप्रथम वाचन के लिए दिए गए शब्दों को पढ़वा लें। इसमें प्रत्येक छात्र को सहभागी करवाना आवश्यक है।

देखो और बनाओ : वर्ण अवयव की पहचान एवं लेखन के लिए रोचक खेल दिया गया है, जिसमें वर्ण अवयव और उससे एक चित्र बनाया गया है। उसे देखकर दूसरी चौखट में चित्र बनाने हैं। फिर तीसरी चौखट में छात्रों को दिए गए वर्ण अवयव के आधार पर इच्छानुसार चित्र बनाने के लिए कहें। वर्ण अवयव को श्यामपट्ट पर समझाएँ। इनके निरंतर अभ्यास द्वारा दृढ़ीकरण करवाएँ। छात्रों को संपूर्ण पाठ्यांश का अनुलेखन करने के लिए कहें। तत्पश्चात पढ़ाए गए वर्णों का श्रुतलेखन करवा लें।

● जोड़ो, पहचानो और बताओ :

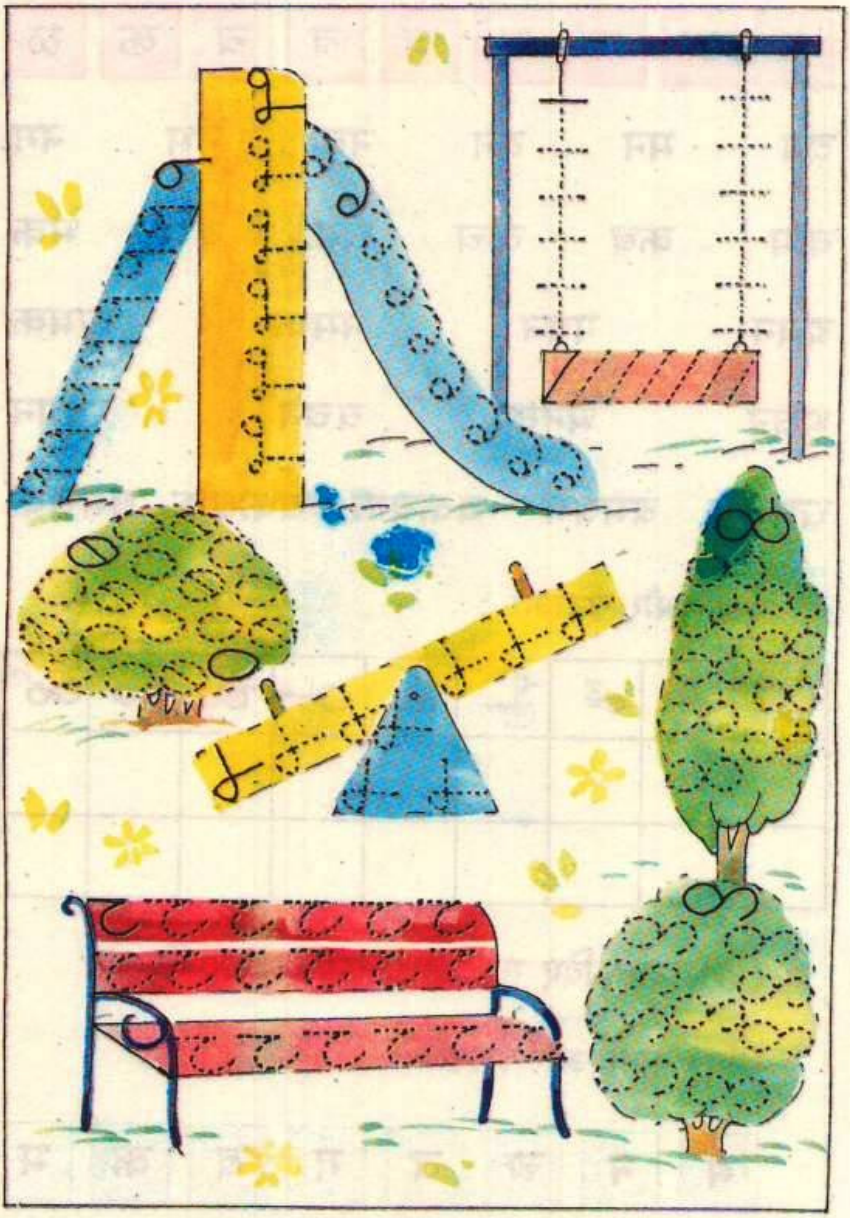

● पढ़ो :

ग	म	न	भ	व	ब	च	क	ळ

वन मन बन नव नभ नग

कम कब कच चक बक भक

बबन गगन नमक चमक

भवन भनक वचन मगन

चमचम बमबम बकबक चकचक बमचक

● देखो और बनाओ :

* (अ) ऊपर दिए गए शब्दों को देखकर लिखो।

(आ) सुनो और लिखो :

भ	न	च	व	ग	ब	क	म

● जोड़ो, पहचानो और बताओ :

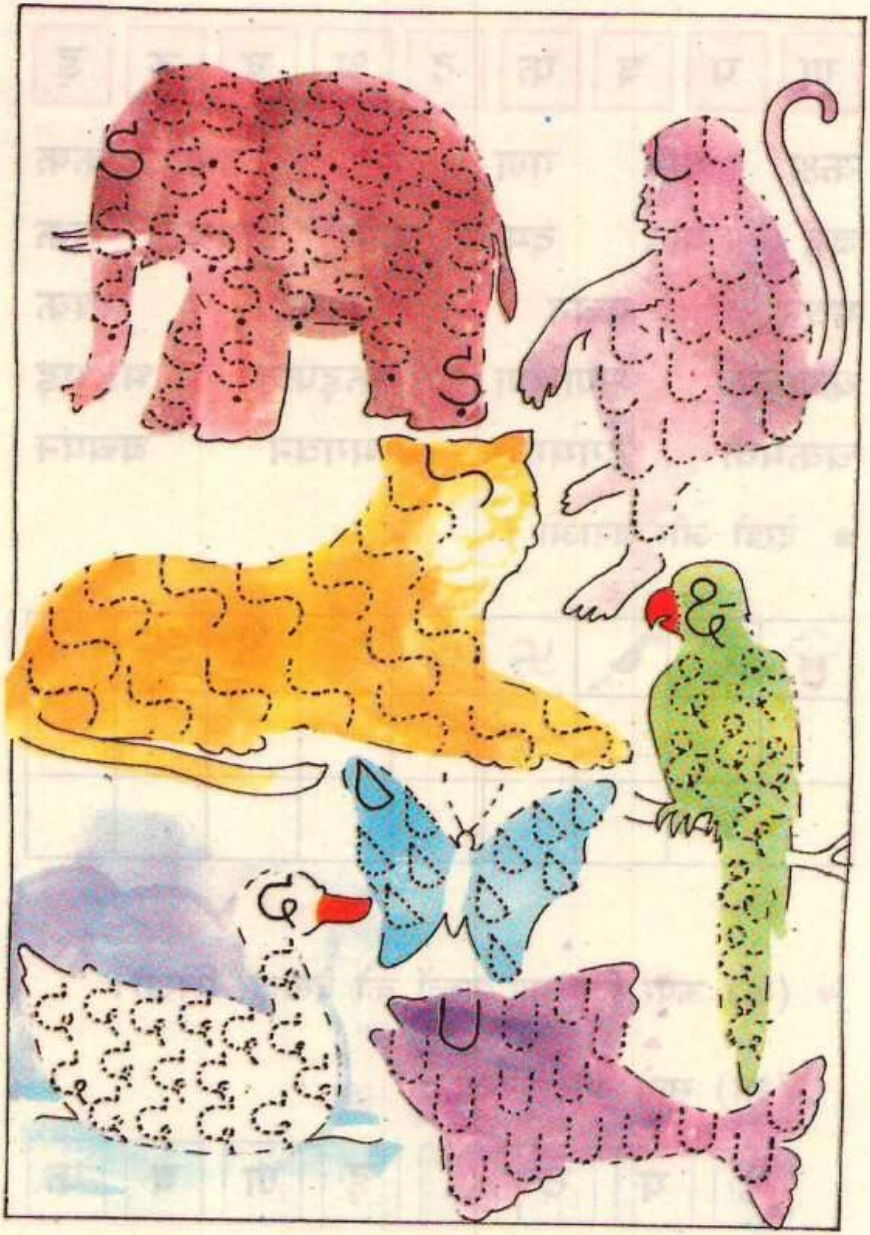

● पढ़ो :

ण	प	ष	फ	द	क्ष	ड	ङ	ड़

कक्ष पक्ष गण क्षण डफ कफ

बड़ फड़ दम कम चक दक

पवन पचन चषक मषक

कणकण क्षणक्षण फड़फड़ भड़भड़

चकमक डगमग भगवन बचपन

● देखो और बनाओ :

* (अ) ऊपर दिए गए शब्दों को देखकर लिखो।

(आ) सुनो और लिखो :

ड	प	द	क्ष	ड़	ण	ष	फ

- जोड़ो, पहचानो और बताओ :

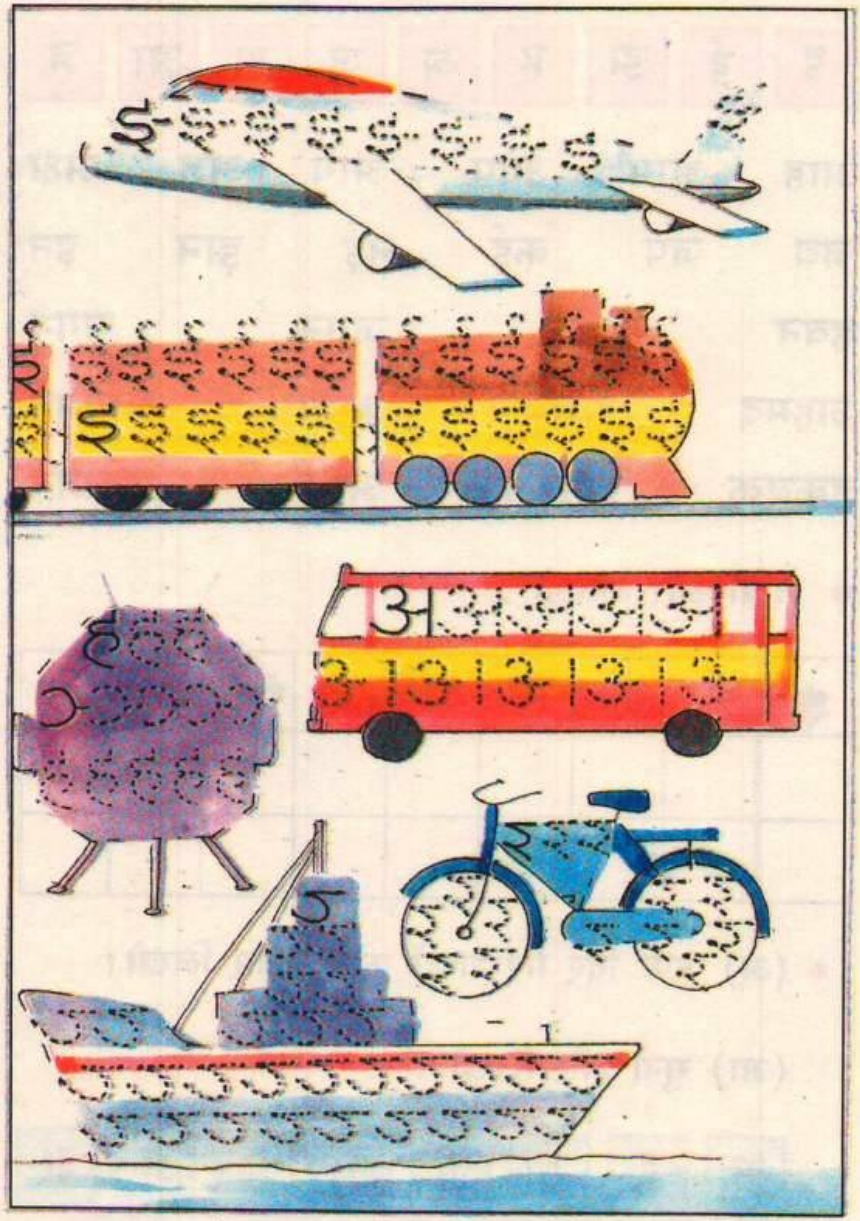

● पढ़ो :

इ	ई	झ	ह	ञ	ज	अ	आ	ज्ञ

आह आम आप आग अज्ञ अक्ष

जब जप कई नई झन इन

हवन पवन जगन मगन

अहमद अचकन जगमग आगमन

हकबक अनबन अगहन आचमन

● देखो और बनाओ :

* (अ) ऊपर दिए गए शब्दों को देखकर लिखो।

(आ) सुनो और लिखो :

अ	इ	ह	ज	आ	ई	झ	ज्ञ

● सुनो और समझो :

९. सनकू और मनकू

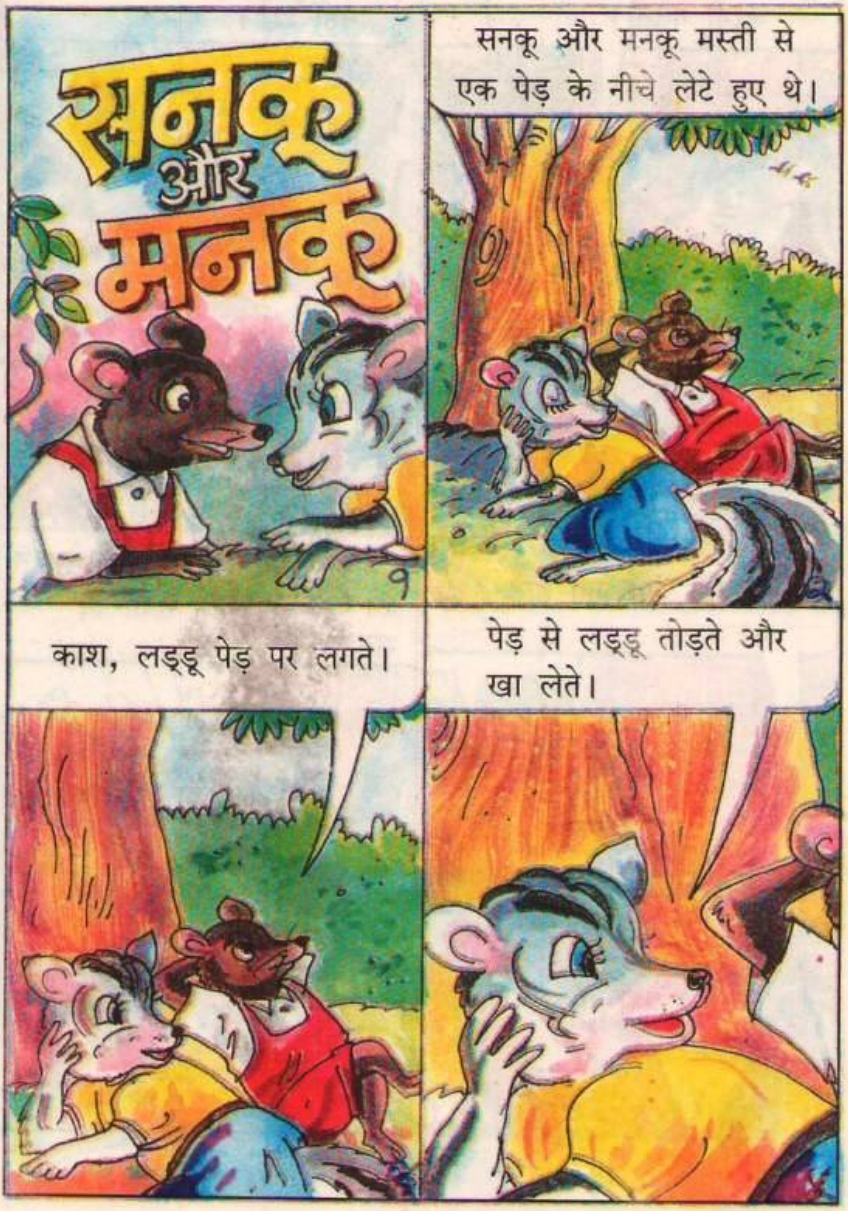

फिर तो हमें मेहनत नहीं करनी पड़ती।

पेड़ पर लगे लड्डू मीठे नहीं होते।

मीठे क्यों नहीं होते ?

क्योंकि लोग कहते हैं कि मेहनत का फल ही मीठा होता है, समझे ?

- जोड़ो, पहचानो और बताओ :

१०. जोड़ो हमें - भाग (२)

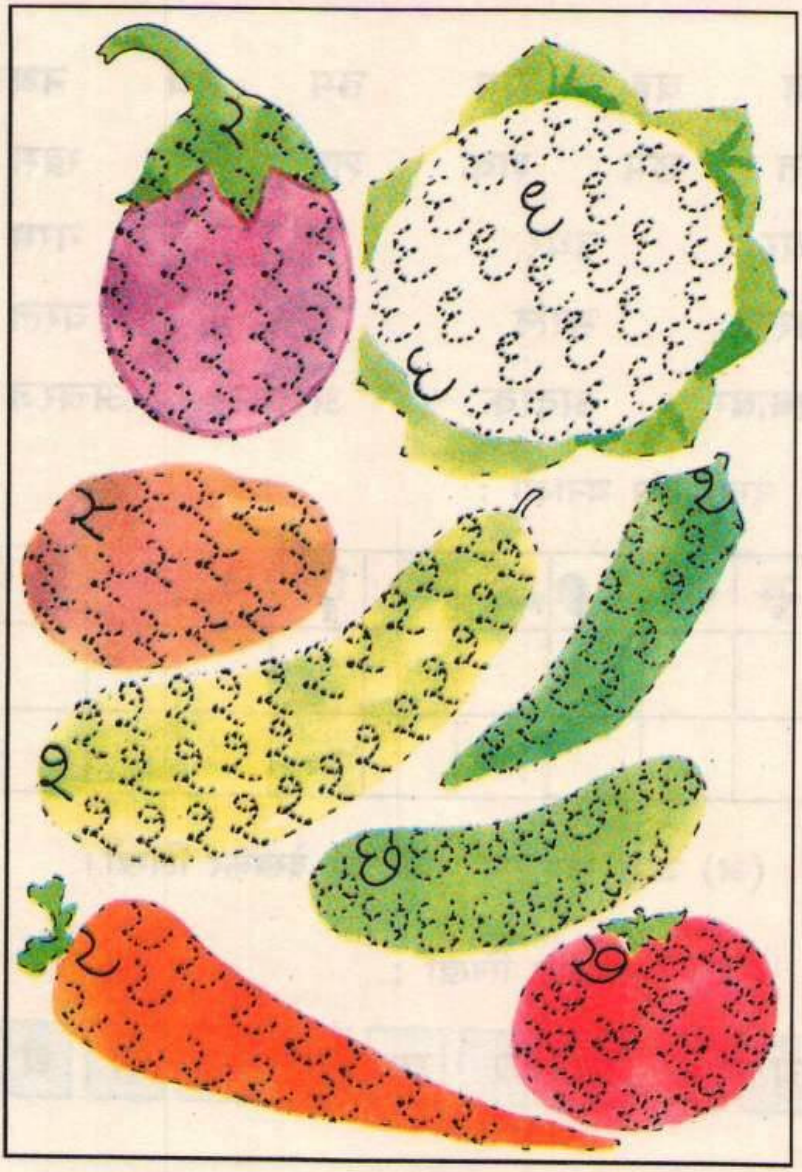

● पढ़ो :

र	स	श	ख	घ	ध	य	थ	छ

यह	वह	घम	तम	रथ	नथ
छत	छम	शक	शर	खग	खस
इधर	उधर	नरम	गरम		
खरल	सरल	तरल	यरल		
अकबर	अदरक	अजगर	अचरज		

● देखो और बनाओ :

* (अ) ऊपर दिए गए शब्दों को देखकर लिखो।

(आ) सुनो और लिखो :

य	र	ख	घ	छ	थ	स	श	ध

- जोड़ो, पहचानो और बताओ :

● पढ़ो :

ट	ठ	ढ	ढ़	ओ	औ	अं	अँ	अः

ढक	ढब	चढ़	पढ़	हट	हठ
अंक	अंग	ओर	ओस	अँगन	अँजन
मटर		खटर		औसत	औरत
गपशप		सरगम		बनठन	अनशन
अनपढ़		अनगढ़		अरहर	छरहर

● देखो और बनाओ :

* (अ) ऊपर दिए गए शब्दों को देखकर लिखो।

(आ) सुनो और लिखो :

ओ	ट	ढ़	अं	औ	ठ	ढ	अँ

- जोड़ो, पहचानो और बताओ :

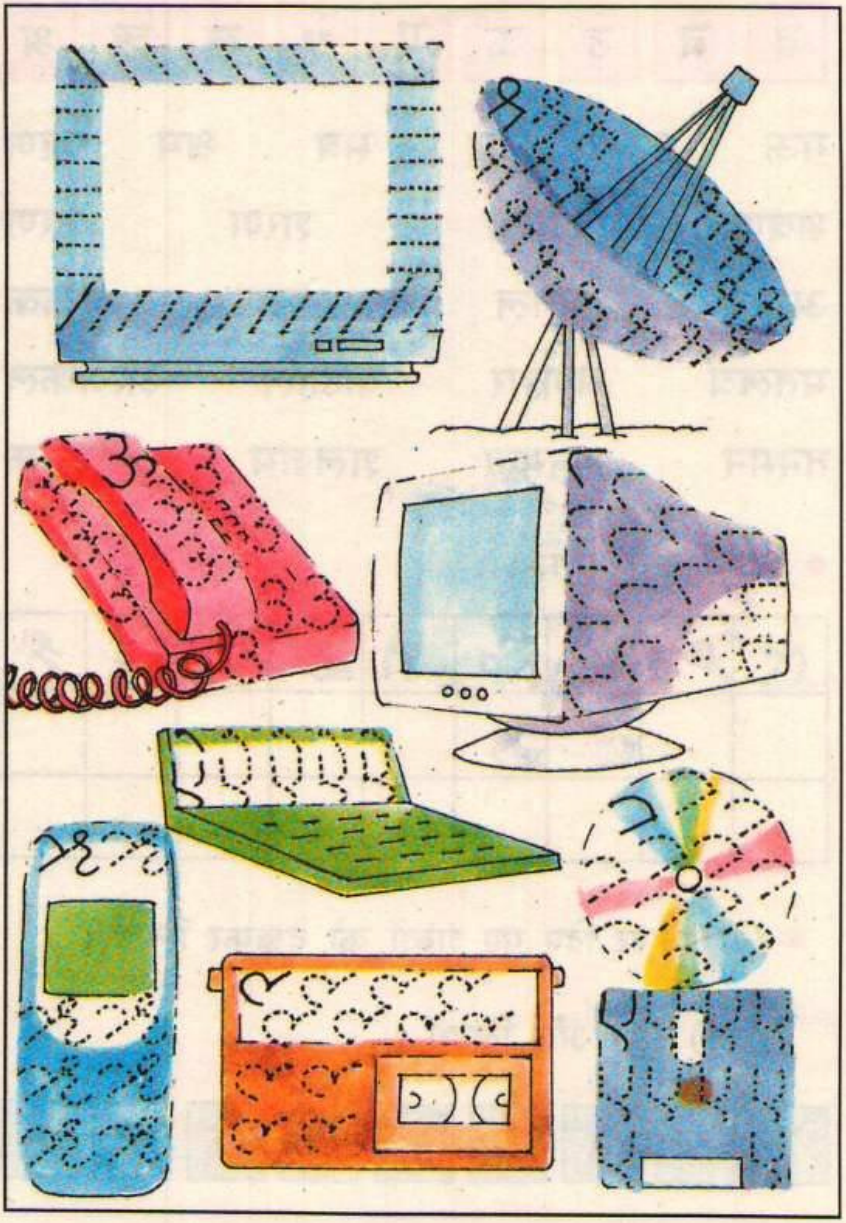

● पढ़ो :

त	त्र	उ	ऊ	ए	ऐ	ल	ऋ	श्र

गऊ नउ पत्र सत्र श्रम ऋण

श्रवण लवण शरण उरण

अगल बगल ऐनक एकक

मतलब क्षणभर कटहल आजकल

तनमन अनगल शलजम अंगरक्षक

● देखो और बताओ :

* (अ) ऊपर दिए गए शब्दों को देखकर लिखो।

(आ) सुनो और लिखो :

ए	ल	उ	त्र	ऐ	त	ऊ	श्र	ऋ

● सुनो और गाओ :

११. मैं हूँ

मैं हूँ आलू गोलम-गोल,
साग बनाओ झोलम-झोल।
मैं हूँ बैंगन ताजा-ताजा,
भुर्ता बनाकर चट खा जा।
मैं हूँ लंबी-लंबी लौकी,
माँ ने रसीली सब्जी छौंकी।
मैं हूँ भिंडी दुबली-पतली,
काटो मुझको गोल टिकली।
मेथी, पालक, बथुआ हम,
सब्जी खाओ प्रेम से तुम।

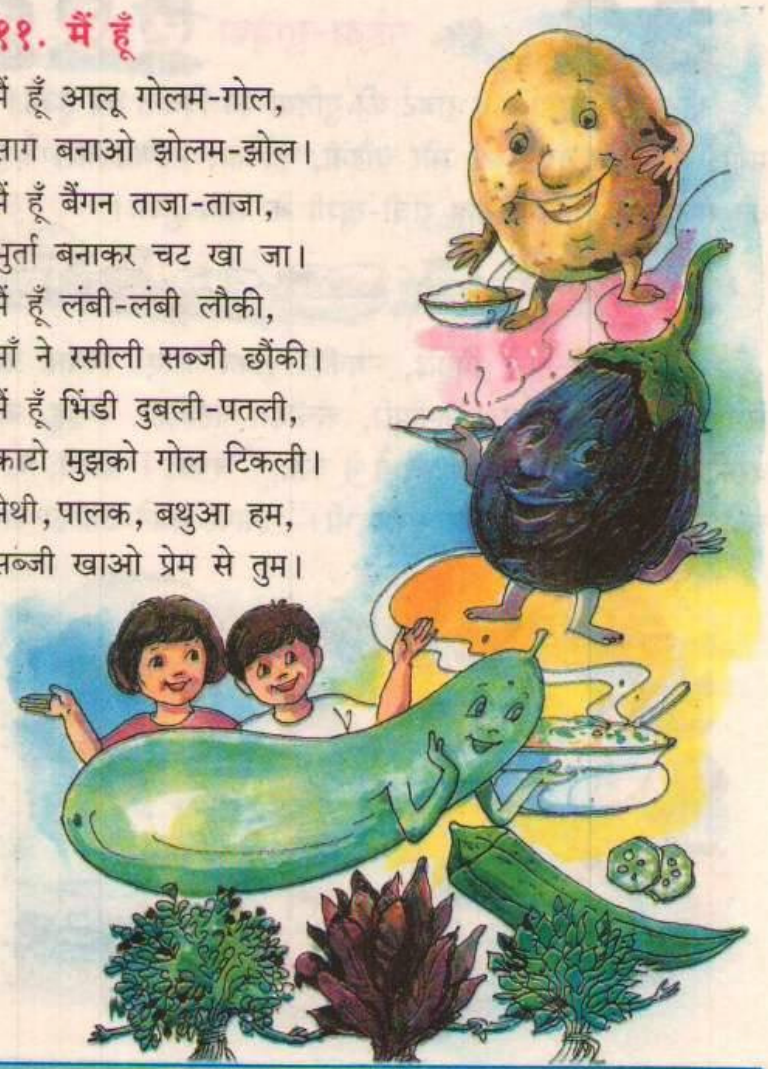

★ छात्र पाठ्यपुस्तक में रेखांकित किए हुए मात्रारहित शब्दों की सूची बनाएँ।

❑ छात्रों से मुखर वाचन करवा लें। चित्र-तालिका द्वारा उनसे सभी साग-सब्जियों के नाम पूछकर अन्य जानकारी बताएँ और उनसे मनपसंद सब्जी का नाम पूछें।

● सुनो और दोहराओ :

१२. गुड्डा-गुड़िया

गीता का गुड्डा और राबर्ट की गुड़िया का विवाह तय हुआ। जान, मयूर, सलमा ने गुड्डे को और चाँदनी, कविता, माणिकलाल ने गुड़िया को सजाया। उनका विवाह राजी-खुशी के साथ हुआ।

सबके माता-पिता मिठाई, नमकीन लेकर आए। विवाह के बाद सभी ने मिलकर चिउरा, पानीपुरी, कचौड़ी, दहीबड़ा, लड्डू, जलेबी, बरफी और आइसक्रीम खाई। बड़ों ने कहा, "बच्चो ! खाओ, पर ध्यान रखो कि पेट अपना है और स्वाद भी।" इसपर सबने ठहाका लगाया।

★ छात्र देखे/सुने हुए समाचारों में से कोई एक समाचार सुनाएँ।

❑ कहानी को प्रश्नोत्तर द्वारा पढ़ाकर दोहरवा लें। छात्रों से इसी प्रकार के अन्य अनुभव सुनाने के लिए कहें। प्रत्येक छात्र को बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

● **सुनो, समझो और करो :**

१३. फूलमाला

बड़ों की देखरेख में फूलमाला बनाओ।

सामान : गेंदे के फूल, पत्ते, सुई और धागा।

कृति : पहले सुई में धागा पिरो लो। इसके बाद माला बनाने के लिए फूलों को क्रम से रखो। गेंदे का सब से बड़ा फूल बीच में रखो। उसके अगल-बगल में एक-एक पत्ता मोड़कर रखो। फिर दोनों ओर फूल रखो।

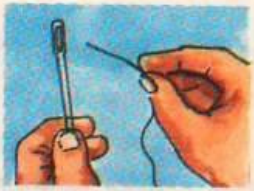

इस प्रकार फूल और पत्तों को रखने के बाद उन्हें सुई द्वारा धागे में पिरोना शुरू करो। आवश्यकता के अनुसार माला की लंबाई रखो।

अब देखो, बन गई तुम्हारी सुंदर फूलमाला।

★ छात्र शरीर की सफाई करें।

❑ पाठ्यांश पढ़कर समझाएँ और प्रत्यक्ष करके दिखाएँ। देखें कि छात्र सूचनाओं का पालन करते हैं। अन्य फूलों की माला बनाने के लिए कहें। आवश्यकतानुसार सहायता करें।

शब्दार्थ

पहली इकाई

४. **मीठी नींद**

रुआँसी = रोने जैसी।

८. **पहचान हमारी - भाग (१)**

मधुर = मीठा; **टकसाल** = जहाँ सिक्के और नोट बनाए जाते हैं; **महुअर** = लूमड़ी या तूँबी नामक एक प्रकार का बाजा; **छछूंदर** = चूहे की जाति का जंतु; **ऊदबिलाव** = नेवले के समान एक जंतु जो जल और स्थल दोनों में रहता है; **उऋण** = ऋण मुक्त; **अऋण** = जिसने ऋण नहीं लिया है।

९. **वह है कौन ?**

धुनना = रूई के रेशे अलग-अलग करना; **रौंदना** = पाँवों से कुचलना।

१०. **पहचान हमारी - भाग (२)**

ढरकी = बाने का सूत फेंकने का जुलाहे का एक औजार; **ऐब** = दोष, बुराई; **ऐन** = ठीक, उपयुक्त; **दमकल** = जिस यंत्र से आग बुझाई जाती है; **ऐक्य** = एकता; **ऐच्छिक** = इच्छानुसार; **ठहाका** = जोर की हँसी; **डगर** = मार्ग; **षट** = छह; **ठठेरा** = बरतन बनानेवाला।

१२. **सैर**

झरना = ऊँचे स्थान से लगातार गिरनेवाली पतली जलधारा।

१३. **घरौंदा**

घरौंदा = छोटा घर।

दूसरी इकाई

५. **दस और बस**

कुलाँच = चौकड़ी, छलाँग।

१०. **जोड़ो हमें - भाग (२)**

अनशन = अन्न त्याग; **अनगढ़** = जिसे बनाया नहीं गया है; **अंगरक्षक** = विशेष लोगों की रक्षा के लिए नियुक्त व्यक्ति।

११. **मैं हूँ**

झोलम-झोल = रसेदार।

❑❑❑

वर्णमाला

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह	ळ		
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र			

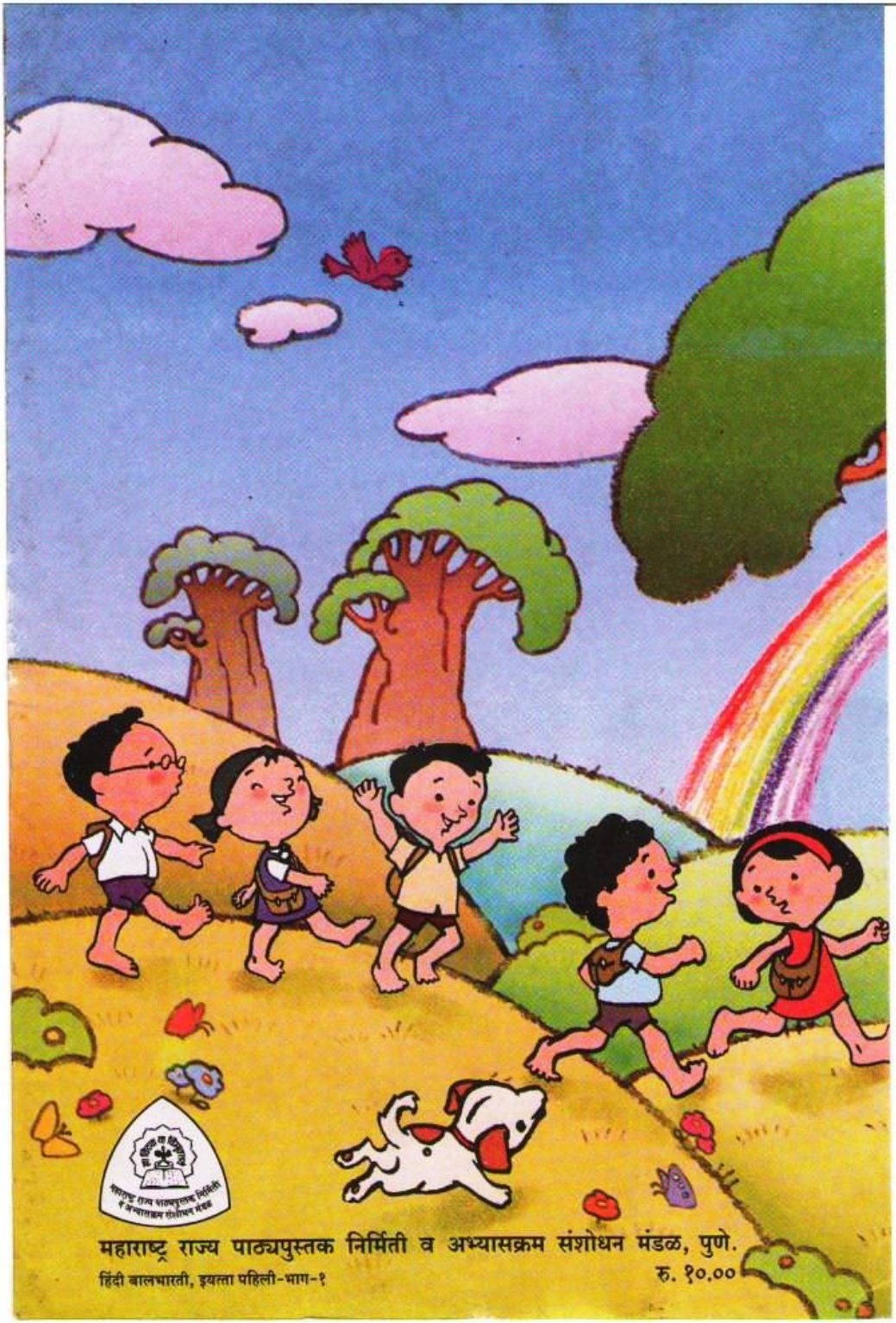

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी बालभारती, इयत्ता पहिली-भाग-१

रु. १०.००

हिंदी

बालभारती

पहली कक्षा

दूसरा भाग

वर्णलेखनं - १

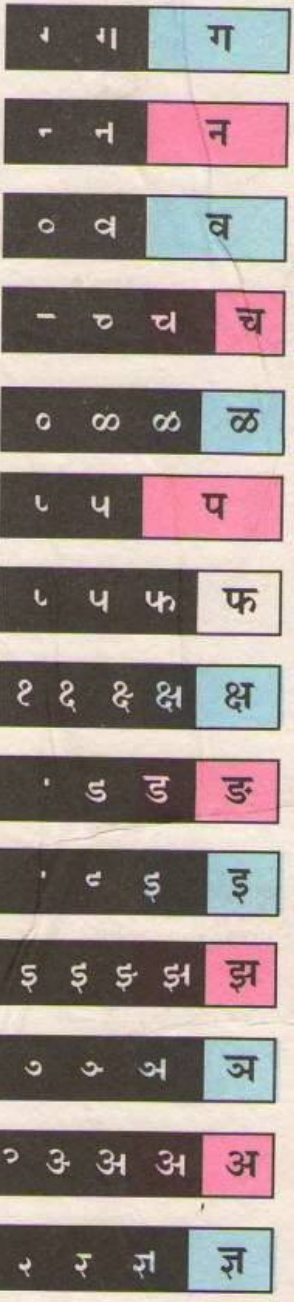

शिक्षा विभाग का स्वीकृति क्रमांक : प्राशिसं-२००६-२००७/मंजूरी ५०५(३५)/१२५०६, दि. १४.३.२००६

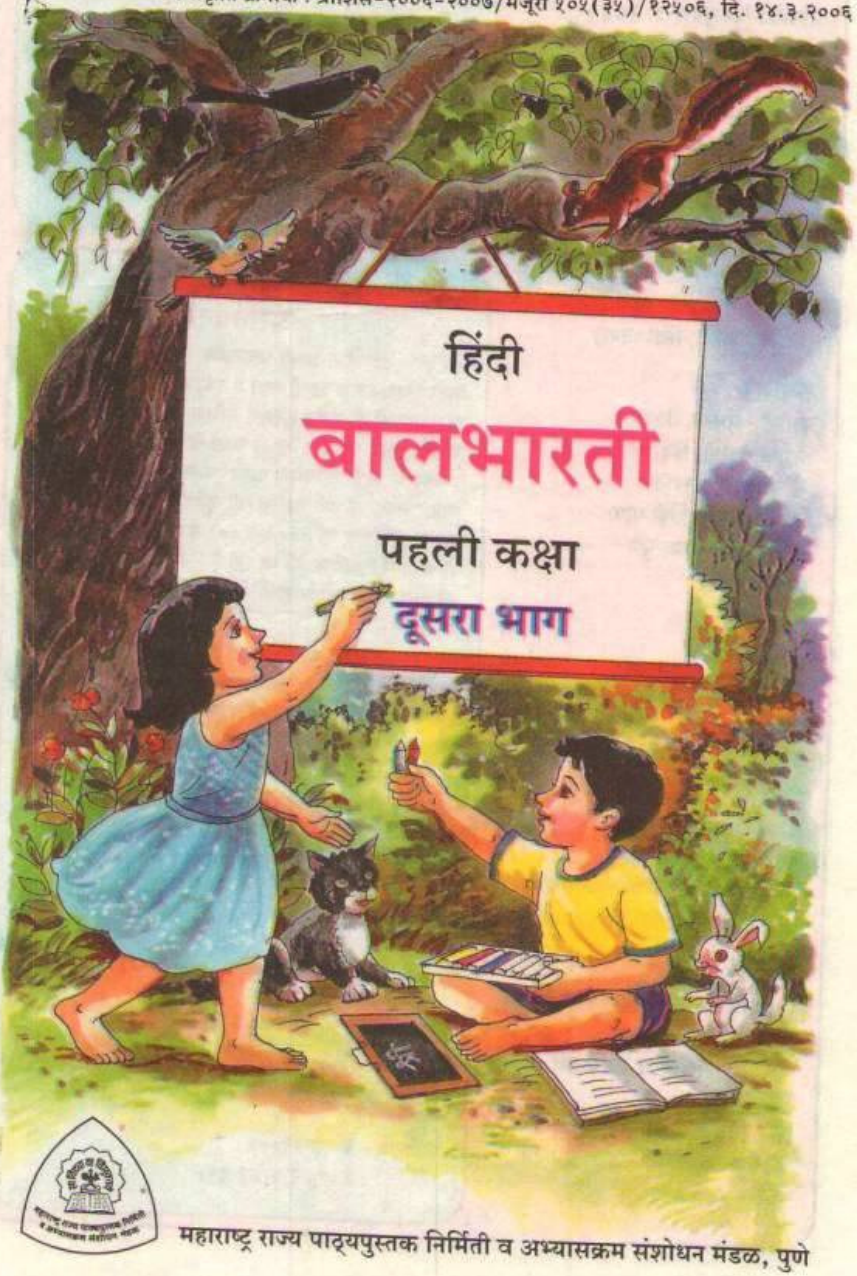

हिंदी

बालभारती

पहली कक्षा

दूसरा भाग

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

प्रथमावृत्ति : २००६
पाँचवाँ पुनर्मुद्रण : २०११
लेखन, संपादन सहयोग :
डा. रामजी तिवारी
डा. सूर्यनारायण रणसुभे
डा. हेमचंद्र वैद्य
डा. साधना शाह
सौ. सिंधु बापट
श्री तपेश्वर मिश्र
श्री अशोक शुक्ल
डा. सौ. अलका पोतदार
(विशेषाधिकारी, हिंदी भाषा)

संयोजन :
डा. सौ. अलका पोतदार
विशेषाधिकारी, हिंदी भाषा
सौ. संध्या वि. उपासनी
विषय सहायक, हिंदी भाषा
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

मुखपृष्ठ :
स्नेहल पागे

चित्रांकन :
श्री राजेंद्र गिरधारी

अक्षरांकन :
कवठेकर पी. एन.

निर्मिति :
श्री सच्चिदानंद आफळे,
मुख्य निर्मिती अधिकारी
श्री संजय कांबळे, निर्मिति अधिकारी
श्री नितीन वाणी, निर्मिती सहायक

कागज : ७० जी.एस.एम. क्रिमवोव

मुद्रणादेश : एन/टेक/२०११-१२

मुद्रक : प्रति : १,००,०००
श्रीनाथ ग्राफिक्स, नागपूर

प्रकाशक :
श्री विवेक गोसावी, नियंत्रक
पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ, प्रभादेवी,
मुंबई - ४०० ०२५.

© **महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे- ४११००४**

इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

प्रस्तावना

'प्राथमिक शिक्षा पाठ्यक्रम - २००४' के अनुसार पाठ्यपुस्तक मंडळ पहली कक्षा से आठवीं कक्षा की बालभारती पाठ्यपुस्तकों की नवीन शृंखला शैक्षिक वर्ष २००६-२००७ से प्रकाशित कर रहा है। पहली कक्षा के छात्रों द्वारा वर्ष भर उपयोग में लाई जानेवाली पाठ्यपुस्तक को दो भागों में देना छात्र, अध्यापक एवं पालक की दृष्टि से सुविधाजनक होने के कारण शैक्षिक वर्ष २०००-२००१ से पहली की पाठ्यपुस्तक दो भागों में प्रकाशित की जा रही है। बालभारती पहली कक्षा का दूसरा भाग आपके हाथों में सौंपते हुए हमें बड़ी प्रसन्नता हो रही है।

समीक्षण सत्र में आमंत्रित समीक्षकों के सुझावों और मतों पर विचार करके पुस्तक को अंतिम रूप दिया गया है। इस पुस्तक के लेखन, संपादन कार्य में हिंदी भाषा के निमंत्रित सदस्यों, भाषाविदों – श्री ज्ञानकुमार आर्य, श्री श्याम आगळे, श्री शशि निघोजकर, श्री अशोक ताकमोगे तथा चित्रकार ने आस्थापूर्ण परिश्रम किए हैं। 'मंडळ' इनके तथा रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करता है।

आशा है कि छात्र, अध्यापक एवं अभिभावक इस पुस्तक का स्वागत करेंगे।

(डा. वसंत काळपांडे)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

पुणे
दिनांक : ३० मार्च २००६
चैत्र शु. २, शके १९२८

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है। सभी भारतीय मेरे भाई-बहन हैं।

मुझे अपने देश से प्यार है। अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी। उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ	पृष्ठ
	तीसरी इकाई	
१.	शब्द बगीचा	१
२.	सहायता	३
३.	वर्षा आई	५
४.	मधुमक्खी का छत्ता	७
५.	रेल	९
६.	ताला	११
७.	किसको-कितना मिला ?	१३
८.	पहचानो हमें - भाग (१)	१४
९.	रंग कैसा ?	२१
१०.	पहचानो हमें - भाग (२)	२२
११.	जब बोलो	२८
१२.	निर्मल	२९
१३.	रंगोली	३०
	चौथी इकाई	
१.	शब्द संसार	३२
२.	बचत	३४
३.	फूल	३६
४.	कल्पना	३८
५.	बढ़ते जाओ	४०
६.	नहीं रुकेंगे	४२
७.	बूझो	४४
८.	जुड़ें हम - भाग (१)	४५
९.	हमारे अपने	४८
१०.	जुड़ें हम - भाग (२)	४९
११.	फद्दू जी	५१
१२.	गुब्बारा	५२
१३.	मिश्रण	५३

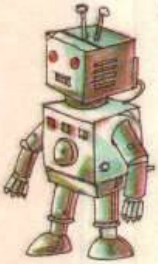

• पहचानो और बोलो :

१. शब्द बगीचा

आ		इ	
ई		उ	
ऊ		ऋ	
ए		ऐ	
ओ		औ	
अं		ः	

अध्यापन संकेत : तालिका में दिए गए चित्र दिखाकर छात्रों से उनके नाम कहलवा लें । इसी प्रकार सभी वर्णों के अन्य सरल-परिचित शब्दों का अभ्यास करवाएँ । **पाठ्यपुस्तक के सभी उपक्रम सुनाकर उन्हें छात्रों से करवा लें ।**

❋ पढ़ो :

ओजस शरबत चख ।

श्रवण डफ पकड़ ।

रमण ऐनक पहन ।

औषध झटपट ढक ।

गगन यज्ञ कर ।

अक्षय छत पर आ ।

अहमद एक फल रख ।

सई नथ पहनकर आई ।

ऋषभ उठ, घर चल ।

अंजन इत्र रख और ऊपर चढ़ ।

नयन अः ङ ञ ळ पढ़ ।

★ **उपक्रम :** छात्र देखे हुए विज्ञापन के परिचित शब्द बताएँ ।

❑ दिए गए वाक्यों को छात्रों से पढ़वा लें । उनमें से वर्णमाला के क्रम से वर्ण छाँटकर पूरी वर्णमाला लिखने के लिए कहें । छात्रों से पाठ्यांश का श्रुतलेखन करवा लें ।

● देखो, समझो और बताओ :

२. सहायता

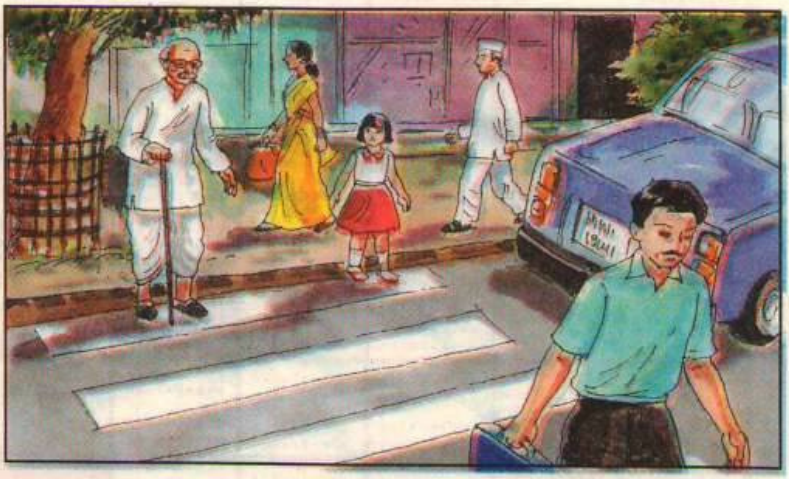

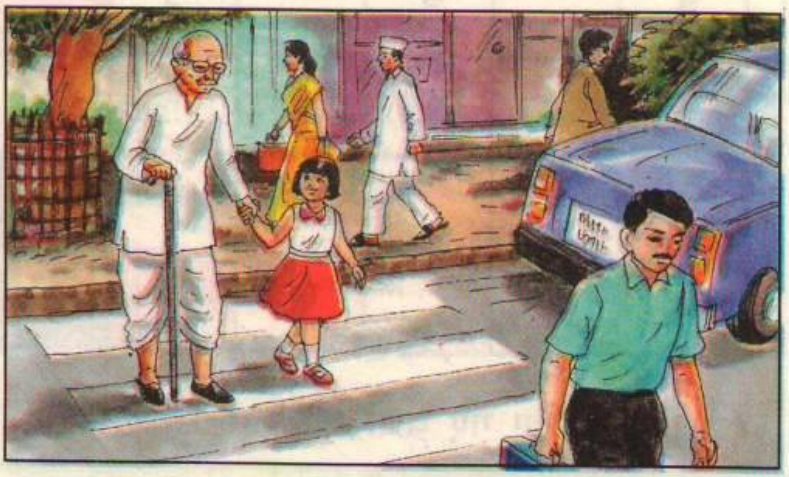

❑ चित्र देखकर शब्द और वाक्य कहलवा लें। छात्रों ने कभी किसी की सहायता की हो तो ऐसा प्रसंग बताने के लिए कहें। उन्हें दूसरों की सहायता करने के लिए प्रेरित करें। अन्य चित्रकथा दिखाएँ और छात्रों से उसकी कहानी बताने के लिए कहें ।

❋ (अ) खाली स्थान भरो :

	आ			उ	
ऋ	ए		ओ		
			ख		
	छ		झ		
	ट				ण
त		द		न	
	प		ब		म
	य			व	
श			ह		

(आ) ऊपर दिए गए वर्णों को क्रम से लिखो ।

★ छात्र अपने आस-पास दीखनेवाले पशु-पक्षियों के नाम बताएँ ।

❑ वर्णमाला के वर्णों से खाली स्थान भरवा लें । दिए गए वर्णों को क्रम से लिखने के लिए कहें । कुछ वर्ण नहीं दिए गए हैं । इन वर्णों से मात्रारहित शब्द बनाने के लिए कहें ।

● सुनो और गाओ :

३. वर्षा आई

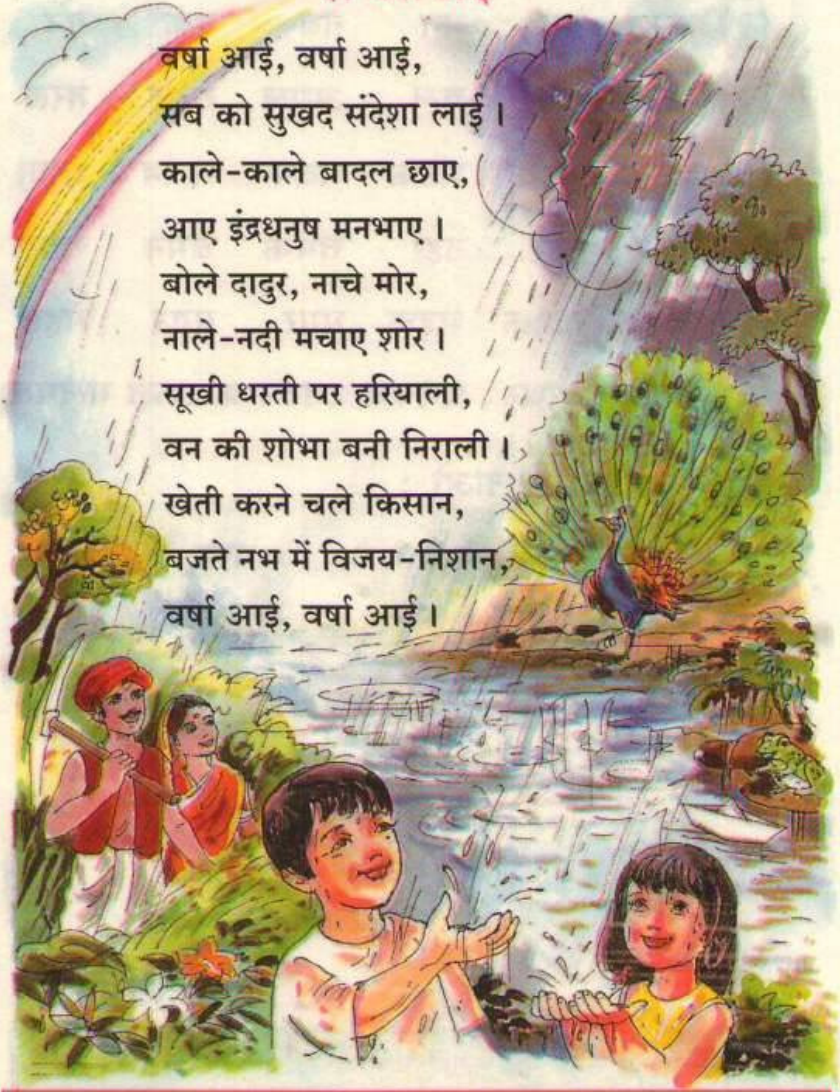

वर्षा आई, वर्षा आई,
सब को सुखद संदेशा लाई ।
काले-काले बादल छाए,
आए इंद्रधनुष मनभाए ।
बोले दादुर, नाचे मोर,
नाले-नदी मचाए शोर ।
सूखी धरती पर हरियाली,
वन की शोभा बनी निराली ।
खेती करने चले किसान,
बजते नभ में विजय-निशान,
वर्षा आई, वर्षा आई ।

❑ कविता को यथोचित हाव-भाव, शुद्ध उच्चारण के साथ दो-तीन बार सुनाएँ । छात्रों से भी इसी प्रकार गवा लें । उनके उच्चारण की ओर ध्यान दें । अन्य कविता सुनाएँ ।

❋ (अ) शब्दों को लय के साथ पढ़ो और लिखो :

(१) मन मत मग तब तक तन

(२) नल हल बल अमल सरल तरल

(३) मटक चटक भटक भवन भजन भगत

(४) शहर नहर ठहर चमक चंमन चपल

(५) सड़क कड़क भड़क मगर मगन महल

(६) फरफर थरथर चमचम टमटम कलकल मलमल

(आ) जोड़ियाँ मिलाओ :

अगल	गरम
जब	कल
इधर	बगल
नरम	उधर
आज	तब

★ छात्र कोई एक समूह गीत सुनाएँ ।

❑ समान वर्ण से प्रारंभ, अंतवाले शब्दों का वाचन करवा लें । उनकी जोड़ियाँ मिलवाएँ । ऐसे शब्दों की सूची बनाने के लिए कहें । अधिकाधिक शब्द बतानेवालों को प्रोत्साहित करें ।

● **सुनो और दोहराओ :**

४. मधुमक्खी का छत्ता

नकुल बड़ा ही प्यारा बच्चा था परंतु शरारत करना उसका स्वभाव था । एक दिन उसने पेड़ पर मधुमक्खी का छत्ता देखा । उसने निशाना साधा और छत्ते को पत्थर मारा । छत्ते को पत्थर लगते ही मधुमक्खियाँ गुस्से से भिनभिनाने लगीं । वे नकुल को काटने लगीं । वह चिल्लाते हुए घर की ओर भागा । रुआँसी होकर माँ ने तुरंत आँगन में घास और सूखी लकड़ियाँ इकट्ठा कीं और आग जलाई । धुआँ उठते ही मक्खियाँ भागने लगीं ।

माँ नकुल को डाक्टर के पास ले गईं । दवा लगाते हुए डाक्टर ने कहा, "नकुल ! मधुमक्खी तो फूलों से रस इकट्ठा करती है, जिसे हम शहद कहते हैं ।" यह सुनकर नकुल खुश हो गया।उसे भी शहद बहुत पसंद था । दूसरे दिन नकुल ने छत्ते के पास जाकर क्षमा माँगी और कहा कि अब वह कभी किसी को पत्थर नहीं मारेगा ।

❑ कहानी छोटे-छोटे अंशों में सुनाएँ । प्रश्न पूछकर निश्चित करें कि छात्रों ने समझते हुए सुना है । अन्य कहानियाँ दोहरवा लें । उन्हें अच्छी आदतों की जानकारी दें ।

❋ बिंदुओं को जोड़ो :

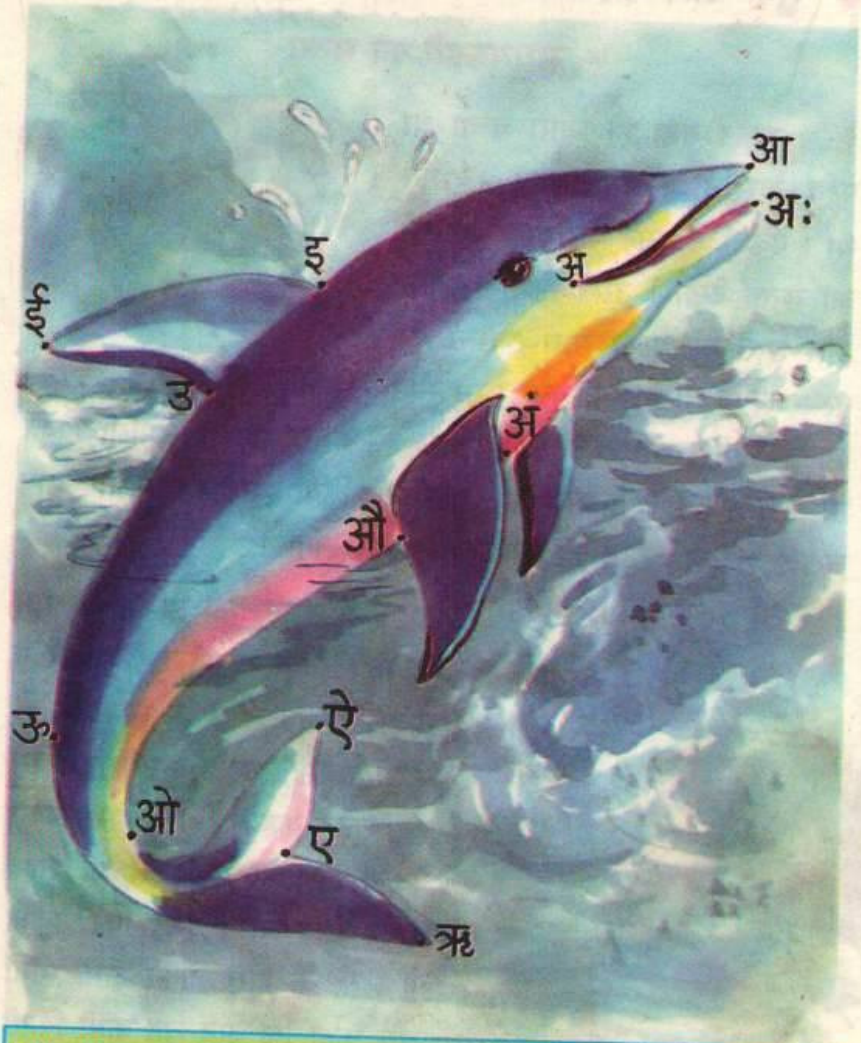

★ छात्र पाठ्यपुस्तक की मनपसंद कहानी का नाम और उसका कारण बताएँ ।

❑ छात्रों से अ से अः के बिंदुओं को वर्णक्रमानुसार जोड़ने के लिए कहें । आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें । उनसे चित्र की पहचान करवाकर उसपर दो वाक्य कहलवा लें ।

● सुनो और करो :

५. रेल

आओ बच्चो, खेलें खेल,
मिलकर सभी बनेंगे रेल ।
छुक-छुक-छुक-छुक इंजन करता,
सीटी देकर जोर से चीखता ।
पीछे-पीछे मेरे आओ,
गाड़ी के डिब्बे बन जाओ ।
श्याम, गार्ड बन पीछे जाओ,
झंडी हरी हमें दिखलाओ ।
आगे-आगे बढ़ती रेल,
दूर-दूर तक जाती रेल ।

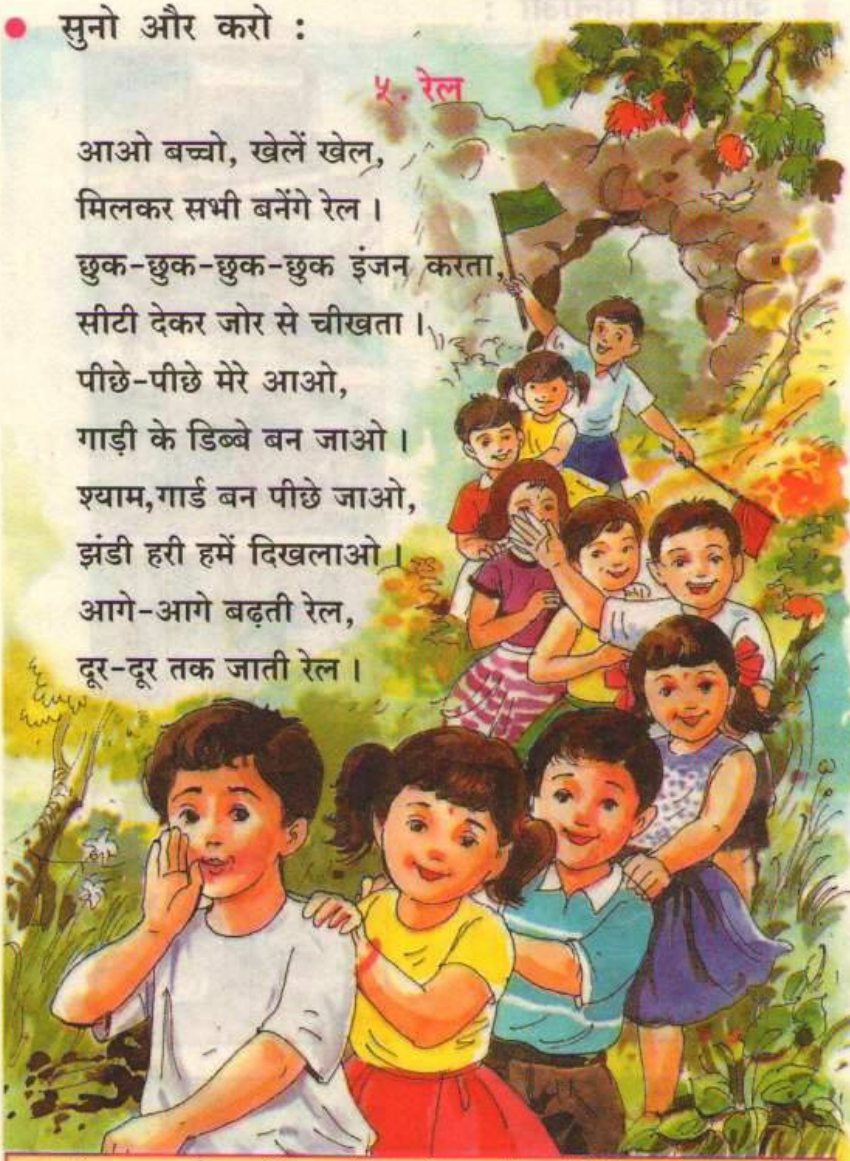

❑ गीत सुनाकर अभिनय सहित गवा लें । सामूहिक रूप में सुनाने के लिए कहें । अन्य अभिनय गीत सुनाकर दोहरवाएँ और देखें कि छात्रों के अभिनय और बोलने में तालमेल हो । आदेशात्मक, अनुरोधात्मक सूचनाओं को सुनाकर पालन करने हेतु प्रेरित करें ।

❋ जोड़ियाँ मिलाओ :

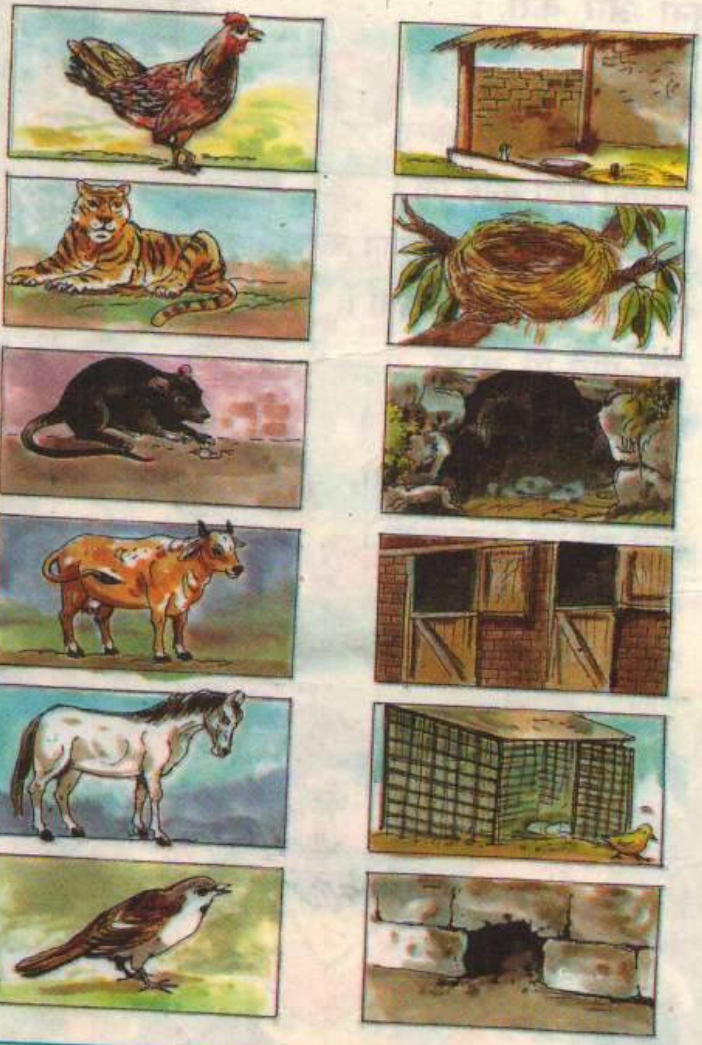

★ छात्र सुनी हुई सूचनाओं का पालन करें ।

❑ छात्रों से जोड़ियाँ मिलवा लें। उन्हें पशु-पक्षियों के तथा उनके रहने के स्थानों के नाम बताएँ। उनपर चर्चा करने के लिए कहें। इसी प्रकार अन्य पशु-पक्षियों की जानकारी दें।

• सुनो और बोलो :

६. ताला

(मेज पर पत्रों को देखकर)

पिता जी : बेटा भोलू ! इधर आओ।

भोलू : आया पिता जी।

पिता जी : भोलू ! मैंने पत्रपेटी में ये पत्र डालने के लिए कहा था।

भोलू : जी हाँ पिता जी !

पिता जी : लेकिन यह देखो ! पत्र तो यहीं हैं।

भोलू : कैसे डालता पिता जी ? पत्रपेटी को तो ताला लगा है।

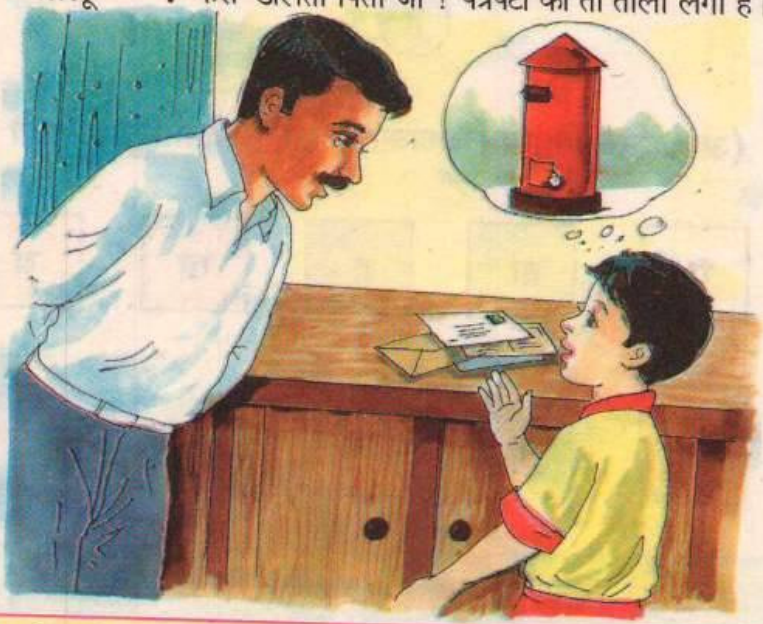

❑ संवाद उचित रीति से सुनाएँ, जिससे छात्र रुचि के साथ सुनें। कक्षा में कुछ ऐसे प्रसंगों का निर्माण करें जिनके आधार पर छात्र संवाद करें। उन्हें बोलने के लिए प्रेरित करें।

* (अ) निम्नलिखित गोले के चारों ओर लिखे हुए प्रत्येक वर्ण को बीच के वर्ण से जोड़कर लिखो :

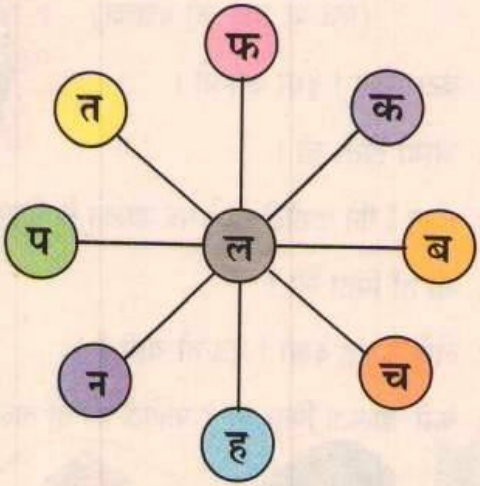

(आ) निम्नलिखित वर्णकार्डों को वर्णक्रमानुसार रखो :

★ छात्र अपने पड़ोसियों के बारे में जानकारी दें ।

❑ छात्रों से शब्द कहलवाकर लिखने के लिए कहें । इसी प्रकार के अन्य भाषाई खेल लें । वर्णकार्डों की सहायता से वर्णमाला के क, च वर्ग को क्रम से लगवाकर लिखवाएँ ।

• सोचो और बताओ :

७. किसको-कितना मिला ?

❑ चित्रों को देखकर पूछें कि 'किसको-कितना अमरूद मिला? सबको समान अमरूद न मिलने का कारण बताएँ। अन्य कहानी के माध्यम से छोटे परिवार का महत्व बताएँ।

• सुनो, पढ़ो और लिखो :

८. पहचानो हमें - भाग (१)

८. **पहचानो हमें भाग – (१)** के पृष्ठ १५ से २० पर आधी मात्राएँ पढ़ाई गई हैं। पृष्ठ २१ पर मनोरंजन के लिए चित्र पहेली दी गई है। शेष मात्राएँ १०. **पहचानो हमें भाग – (२)** के पृष्ठ २२ से २७ पर पढ़ाई गई हैं। इस प्रकार संपूर्ण मात्राओं का अध्ययन पृष्ठ १५ से २७ पर होगा। इनका अध्यापन नीचे दिए गए **अध्यापन संकेत** द्वारा समझ लें। इसी प्रकार छात्रों से अभ्यास करवाएँ। प्रत्येक पृष्ठ को पढ़ाने के पश्चात **उपक्रम** करवा लें।

★ **उपक्रम :** छात्र पढ़ी हुई प्रत्येक मात्रा के लिए दस शब्द बताएँ।

❑ **अध्यापन संकेत :** संपूर्ण पाठ्यसामग्री का उद्देश्य मात्राओं की पहचान करवाकर वाचन, लेखन कराना है। मात्राओं को शब्दों के प्रथम, मध्य और अंतिम वर्णों में प्रयुक्त करके अभ्यास करवाया गया है। इसी प्रकार अन्य शब्दों द्वारा अभ्यास करवा लें। इन शब्दों के अर्थ बताना अपेक्षित नहीं है।

- **पहचानो ओर बोलो :** सर्वप्रथम चित्र के शब्द पहचानकर बोलने के लिए कहें। शब्द की मात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखकर समझाएँ।

✱ (अ) शब्दों को सुनाकर दोहरवा लें। मात्राओं की पहचान होने तक अभ्यास करवाएँ। पाठ्यांश में चित्रों के नाम दिए गए हैं।

(आ) मात्रा को जोड़कर शब्द पढ़वाएँ। मात्राओं के उच्चारण पर ध्यान दें।

(इ) चित्रों को देखकर उनके नाम लिखने के लिए कहें।
संपूर्ण मात्राओं का अभ्यास होने के पश्चात इन्हीं पाठ्यांशों का अनुलेखन और परस्पर श्रुतलेखन करने के लिए कहें।

● पहचानो और बोलो : आ T मटक

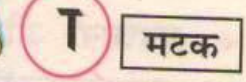

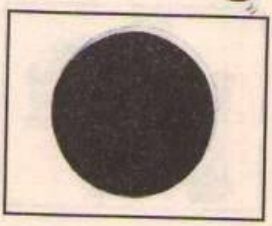

* (अ) सुनो और दोहराओ :

आ जा खा गा ता ना मा भा

गाय बाल हाथ पान चना हरा गला नया

काला ताला माला तबला गमला मकान कारखाना

राधा गाना गा । माला बाजा बजा ।

राणा बाण चला । राजा बाजार जा ।

(आ) जोड़ो और पढ़ो :

चा मा ना दा का

चा मा ना दा का

(इ) चित्र देखकर नाम लिखो :

● पहचानो और बोलो : इ ि चटक

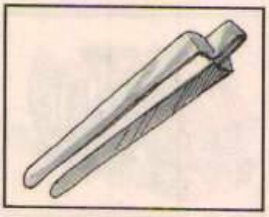

✱ (अ) सुनो और दोहराओ :

ऋषि	मित्र	चित्र	कवि	रवि	तिथि
चिमटा	विजया	डाकिया	तकिया	डिबिया	चिड़िया
रविवार	शनिवार	नागरिक	गिरगिट	किलबिल	रिमझिम

शशि बछिया दिखा । सविता कविता सिखा ।

नमिता धनिया दिला । रवि मिठाई खिला ।

(आ) जोड़ो और पढ़ो :

गिड़गिड़ाना	तिलमिलाना	हिनहिनाना
झिलमिलाना	खिलखिलाना	किटकिटाना

(इ) चित्र देखकर नाम लिखो :

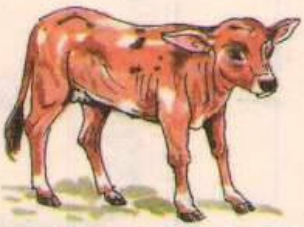

• पहचानो और बोलो : ई ी पटक

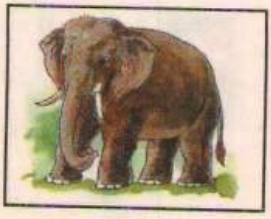

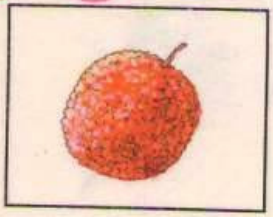

* (अ) सुनो और दोहराओ :

नीला पीला पानी हाथी मीठी लीची
पपीता मछली सलीम तितली बिजली खिचड़ी
गिलहरी छिपकली फिटकरी टिटिहरी पिचकारी शारीरिक
नानी जी दही दीजिए । जीजा जी कमीज लीजिए ।
दीदी जी खीर पीजिए । चाची जी घड़ी खरीदिए ।

(आ) जोड़ो और पढ़ो :

वीरता तापी पीला लीची चीनी निकी
कीमत तीली लकीर रीना नीम महीना

(इ) चित्र देखकर नाम लिखो :

● पहचानो और बोलो :

अटक

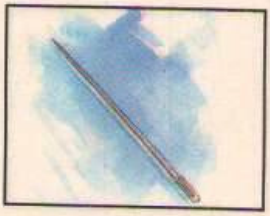

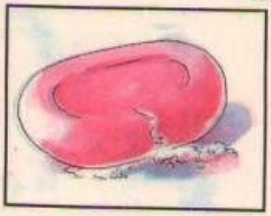

* (अ) सुनो और दोहराओ :

बुआ	सुई	पुआ	पशु	तनु	गुरु
रुपया	गुझिया	धनुष	साबुन	दुगुना	कुमुद
बुलबुल	नागपुर	कानपुर	तारापुर	बुधवार	गुरुवार

सुमन गीत सुन ।
अनुज रुई धुन ।

कुणाल जाल बुन ।
कुसुम बकुल चुन ।

(आ) जोड़ो और पढ़ो :

वायु पुआ जटायु बगुला कुदाल अरुण

भुनभुन छुनछुन कुमकुम गुरुवार टुकरटुकर

(इ) चित्र देखकर शब्द पूरे करो :

..........पुर

..........पुर

..........पुर

ऊ ९ गटक

- पहचानो और बोलो :

* (अ) सुनो और दोहराओ :

तू लू दूध रूप भालू चाकू कुलू कुरू
घूमना रूमाल नाखून कपूर डमरू पालतू
जुगनू नूपुर खुशबू कुरूप दुरूह मुगूह

नूपुर पाठ मत भूल । महमूद झूला झूल ।
रूपाली कबूतर मत पकड़ । भूषण ईख चूस ।

(आ) जोड़ो और पढ़ो :

खूब धूम चीकू रूप दूध छूट
रूमाल नमूना कपूर पालतू मजदूर खरबूजा

(इ) चित्र देखकर शब्द पूरे करो :

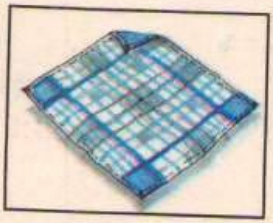

....
..........जुग..........
....

....
..........माल..........
....

....
..........र..........
....

• पहचानो और बोलो : **ऋ** ८ सटक

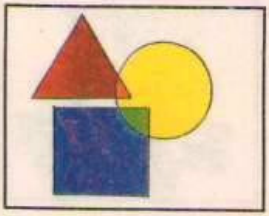

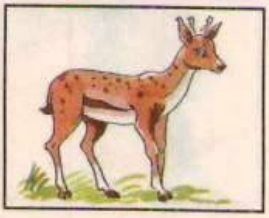

* (अ) सुनो और दोहराओ :

वृक्ष मृग आकृति वृषभ कृषक अमृत हृदय कृपाण

वृषाली कृपया गृह चल । अमृत वृक्ष पर चढ़ ।

मृणाल हृदय का चित्र बना । कृपाल कृपाण धर ।

(आ) जोड़ो और पढ़ो :

मृग	पितृ	वृक्ष	गृह	अमृत
हृदय	आकृति	वृषभ	कृपया	मातृभूमि

(इ) चित्र देखकर नाम लिखो :

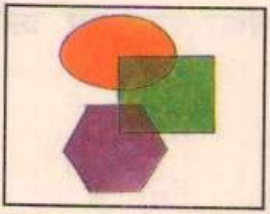

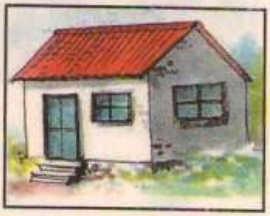

....
....

....
....

....
....

• सुनो और बोलो :

९. रंग कैसा ?

आकाश का रंग कैसा ?
नीले-नीले सागर जैसा ।
बगुले का रंग कैसा ?
सफेद-सफेद दूध जैसा ।
बालों का रंग कैसा ?
काले-काले कौए जैसा ।
टमाटर का रंग कैसा ?
लाल-लाल कुमकुम जैसा ।
तोते का रंग कैसा ?
हरी-हरी धनिया जैसा ।

❑ कविता सुनाकर सामूहिक वाचन करवा लें । इसी प्रकार के अन्य शब्दों की जोड़ियाँ कहलवाएँ । छात्रों के दो समूह बनवाकर प्रश्नोत्तर का खेल खेलने के लिए कहें ।

● पहचानो और बोलो :   (े) लटक

१०. पहचानो हमें - भाग (२)

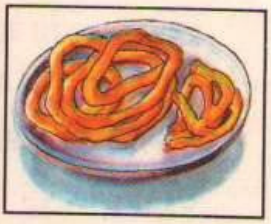

* (अ) सुनो और दोहराओ :

शेर	सेब	मेवे	चने	केले	हरे
चेहरे	करेला	सबेरे	अकेले	ठठेरा	रेवती
शेरनी	उमेश	मेमना	जलेबी	अजमेर	बड़नेरा

चमेली, केला दे । महेश, कनेर का फूल ले ।

रमेश, रितेश खेलने चले । केशव, नरेश खेल रहे थे ।

(आ) जोड़ो और पढ़ो :

चेला	छेद	बड़	खेले	जेब	मेवे
चमेली	कनेर	झेलना	सबेरा	करेला	भेड़िया

(इ) चित्र देखकर नाम लिखो :

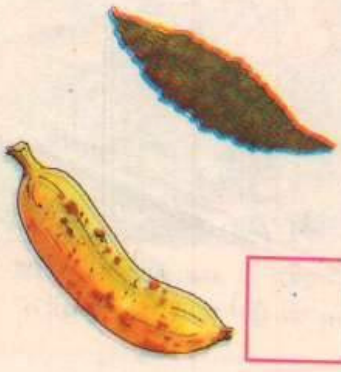

● पहचानो और बोलो : ऐ (ै) भटक

*** (अ) सुनो और दोहराओ :**

पैर	सैर	मैना	पैसे	जैसे	कैसे
वैभव	तलैया	हैदर	कसैला	कैरम	सदैव
नसैनी	बनैली	कसैली	सैलानी	तैयार	खपरैल

वैशाली पैदल चलती है । कैलाश सैर करता है ।

यह पाठशाला का मैदान है । फैजाबाद एक शहर है ।

(आ) जोड़ो और पढ़ो :

है चैन पैसा कसैला जैसल फैलना हैदर

बनैला तलैया शैतान तैराक मटमैली हैदराबाद

(इ) चित्र देखकर नाम लिखो और ऐसे ही अन्य दो शब्द लिखो :

....
....
....

....
....
....

● पहचानो और बोलो : ओ ो झटक

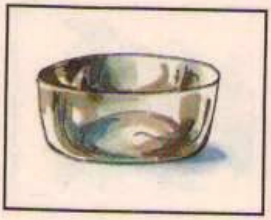
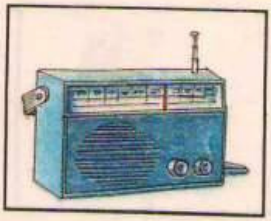

✱ (अ) सुनो और दोहराओ :

दो	तोता	करो	गोभी	देखो	खेलो
कटोरी	रेडियो	ढोलक	कठोर	तोरण	बताओ
खरगोश	सोमवार	मनोहर	बटलोई	अनमोल	कोतवाल

शोभना, खो-खो खेलो । अशोक, गोभी काटो ।

मोनाली, शोर मत करो । सरोज, मोर देखो ।

(आ) जोड़ो और पढ़ो :

लोटा रोटी नाचो जोड़ो पढ़ो पोलो

टोकरी कठोर कोमल खगोल अनमोल मनोहर

(इ) चित्र देखकर नाम लिखो :

● पहचानो और बोलो : औ (ौ) हटक

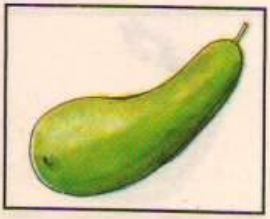

✻ (अ) सुनो और दोहराओ :

नौ	लौकी	चौथा	दौड़ो	चौकोन	चौखट
चौदह	सरौता	खिलौना	गौरैया	नौरोज	चौराहा
मौलसिरी	सौदागर	फौजदार	गणगौर	सिरमौर	भौगोलिक

कौन आया ? गौरी आई । गौरी की मौसी भी आई ।
मौसी का नाम कौमुदी है । मौसी खिलौना लाई ।

(आ) जोड़ो और पढ़ो :

ठौर	तौल	दौर	बौर	दौड़	चौक
पकौड़ी	खिलौना	गौरैया	कटौती	कौरव	चौलाई

(इ) चित्र देखकर नाम लिखो :

• पहचानो और बोलो : अं ं फटक

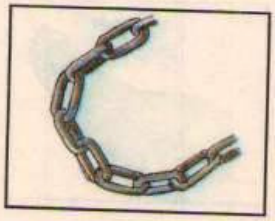

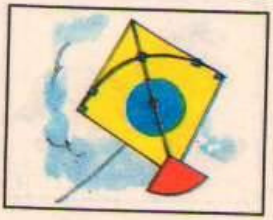

* (अ) सुनो और बोलो :

अंक	पंछी	घंटा	पंथ	चंपा
शंख	कंचा	झंडा	संत	दंभ
पतंग	जंजीर	डंठल	मंदार	कंबल

चंदन अंगूर खा । मयंक पतंग उड़ा ।

नंदिनी मंच पर आ । मंदा कंघी कर ।

(आ) जोड़ो और पढ़ो :

कंघी	बंधन	सुमंत	झंझावात	पंढरपुर
अंगूर	चंचल	ठंडा	वंदना	संबलपुर

(इ) चित्र देखकर नाम लिखो :

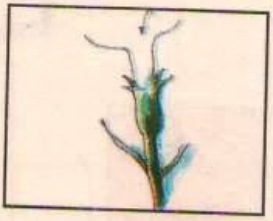

पहचानो और बोलो : अँ ँ खटक

(अ) सुनो और बोलो :

आँख मूँछ पाँच कुआँ धुआँ झाँवाँ
रहँट कारवाँ लहँगा चिड़ियाँ आँचल खड़ाऊँ
बाँकपन चहुँओर हँसमुख महँगाई पहुँचना मूँगफली

कुँवर रहँट देख । परियाँ आँगन में आईं ।
हाँ ! वे जुड़वाँ भाई हैं । आँधी आई, अँधेरा हुआ ।

(आ) जोड़ो और पढ़ो :

दाँत टाँग मूँछ मूँज मुँह आँख
घुँघरू घूँघट रहँट पाँचवाँ लहँगा खड़ाऊँ

(इ) चित्र देखकर नाम लिखो :

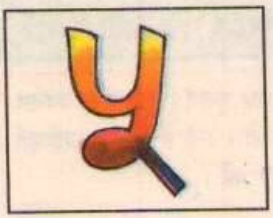

● पढ़ो और समझो :

११. जब बोलो

जब बोलो, मुसकाकर बोलो,
बातों में मिसरी-सी घोलो।

जब बोलो, तब सच ही बोलो,
कभी न बातें रचकर जोड़ो।

जब बोलो, तब झुककर बोलो
रुककर, सोच-समझकर बोलो।

जब बोलो, तब हँसकर बोलो,
अपने मन की बातें खोलो।

– सोहनलाल द्विवेदी

★ छात्र पाठ्यपुस्तक में आए हुए मात्रावाले शब्दों को परस्पर सुनाएँ और लिखें।

❑ कविता को उचित लय एवं स्पष्ट उच्चारण के साथ दो-तीन बार सुनाएँ। कविता के आधार पर शब्दों के अर्थ समझाएँ। छात्रों से मुखर वाचन करवा लें। उन्हें सच और नम्रतापूर्ण व्यवहार करने और हँसते-मुसकराते रहने के लिए प्रोत्साहित करें।

• सुनो, समझो और दोहराओ :

१२. निर्मल

निर्मल सुबह जल्दी उठा तो उसने देखा, माँ अभी भी सोई हुई हैं। वह माँ के पास गया। अपना नन्हा हाथ माँ के माथे पर रखा। उसे माँ का माथा बहुत गरम लगा। वह चौंका, पिता जी तो दूसरे गाँव गए हैं।

निर्मल को याद आया। गली के दूसरे छोर पर डाक्टर रहते हैं। वह उन्हें जानता है। उनके पास जाकर वह बोला, "डाक्टर चाचा, मेरी माँ बीमार हैं। आप जल्दी से मेरे घर चलिए।" डाक्टर को लेकर वह घर आया। डाक्टर ने माँ की जाँच करके दवाइयाँ लिख दीं। निर्मल दवाई की दुकान पर गया और तुरंत दवाई लेकर घर आया। उसने माँ को दवाई दी और कहा, "माँ, अब तुम आराम करो। मैं आज पाठशाला नहीं जाऊँगा।"

माँ ने प्यार से उसके सिर पर हाथ फेरा और कहा, "तुम पाठशाला अवश्य जाओ और साथ में खाने के लिए केले ले जाओ। शाम तक मेरा बुखार उतर जाएगा।" निर्मल प्रसन्न होकर पाठशाला के लिए तैयार होने लगा।

★ छात्र श्यामपट्ट पर लिखे हुए मात्रावाले दस शब्दों से वाक्य बनाएँ।

❑ कहानी को छोटे-छोटे अंशों में बाँटकर तीन-चार बार सुनाएँ। प्रश्न पूछकर सुनिश्चित करें कि छात्रों ने समझते हुए सुना है। कठिन समय में सूझबूझ की आवश्यकता को समझाएँ। श्यामपट्ट पर मात्रावाले शब्द लिखें और छात्रों से वाक्यों में प्रयोग करवा लें।

● पढ़ो, समझो और करो :

१३. रंगोली

सामग्री : सफेद रंगोली, अलग-अलग रंग (पीला, हरा, गुलाबी, नीला, लाल, काला, भूरा) सफेद खड़िया।

कृति : पहले खड़िया को गीली करो। इसके बाद खड़िया से नीचे बनाए गए चित्र के अनुसार चिड़िया का चित्र खींचो।

सफेद रंगोली में अलग-अलग रंग मिलाकर पीला, भूरा, लाल, गुलाबी, हरा, नीला और काले रंग की रंगोली बनाओ।

अब चिड़िया के चित्र में रंग भरना शुरू करो। चिड़िया के पाँव में भूरा रंग, चेहरे में पीला रंग, आँखों में काला रंग, चोंच में लाल रंग भरो। चिड़िया के पंखों में नीला रंग भरकर उनके बीच में गुलाबी रंग की धारियाँ बनाओ। पाँवों के चारों ओर हरे रंग की धारियाँ बनाओ।

देखो, देखो, तुम्हारी चिड़िया उड़ने लगी।

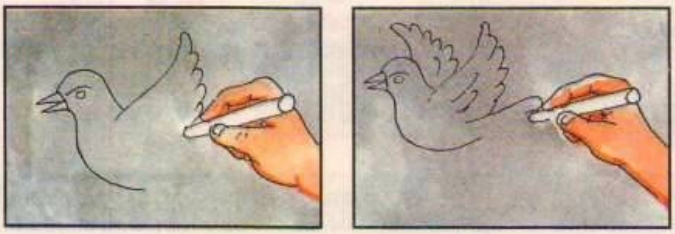

❑ श्यामपट्ट पर खड़िया से सूचनानुसार चित्र बनाएँ। छात्रों को बनाने के लिए कहें। आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। उन्हें रंगोली बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

* समझो और करो :

एक	२० १५	ग्यारह
दो	१३ ४	बारह
तीन	१७ १२	तेरह
चार	८	चौदह
पाँच	१ १०	पंद्रह
छह	३ ७ २	सोलह
सात	१४ १९	सत्रह
आठ	६ ५	अठारह
नौ	१८	उन्नीस
दस	१६ ९ ११	बीस

★ छात्र अपने आस-पास सफाई रखें ।

❑ छात्रों को अंक और शब्द सुनाकर दोहरवा लें । तत्पश्चात जोड़ियाँ लगवाएँ ।

● पहचानो और बोलो :

१. शब्द संसार

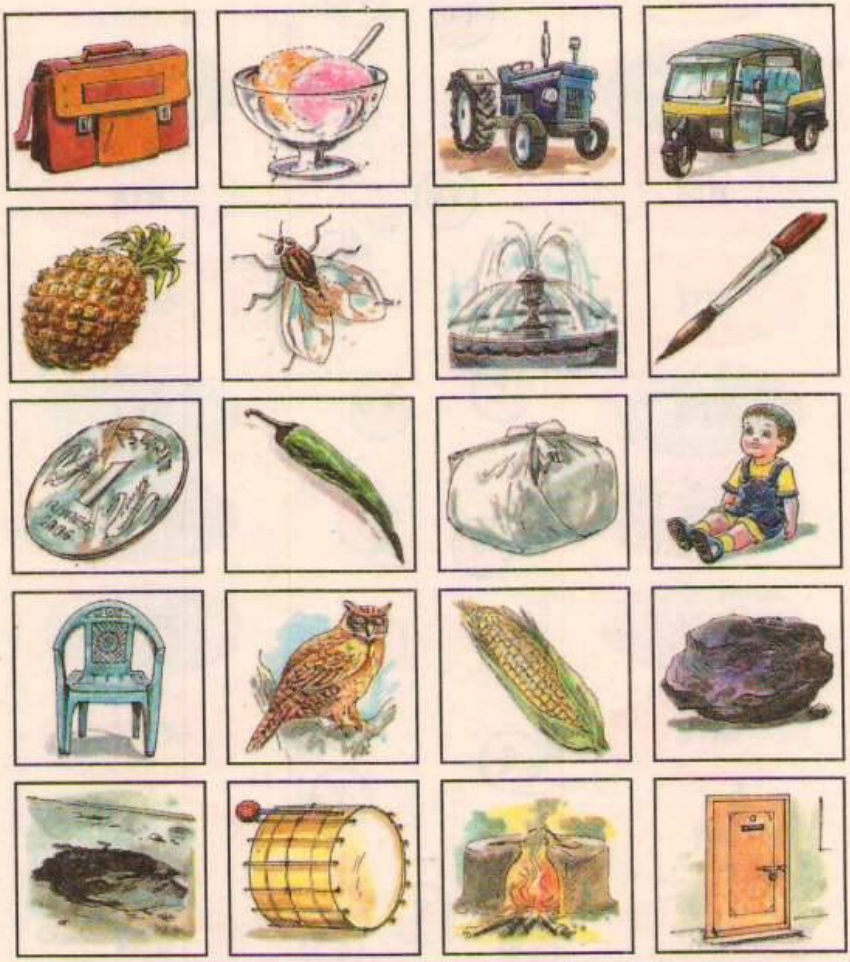

❑ दिखाए गए चित्रों के नाम कहलवा लें। इसी प्रकार के अन्य सरल एवं परिचित चित्र दिखाएँ तथा छात्रों को बोलने के लिए प्रेरित करें। इन शब्दों के चित्र-कार्ड बनाएँ। चित्र-कार्डों को दिखाकर उन्हें एक-एक वाक्य बनाने के लिए कहें।

पाठ्यपुस्तक के सभी उपक्रम सुनाकर उन्हें छात्रों से करवा लें।

* (अ) निम्नलिखित वर्णकार्डों को वर्णक्रमानुसार रखो :

ढ	ड	ण	ठ	ट
ध	थ	न	द	त

(आ) किन्हीं पाँच भेंट वस्तुओं के नाम बताओ :

★ छात्र किसी विज्ञापन का एक वाक्य सुनाएँ ।

☐ दिए गए वर्णकार्डों को वर्णमाला के 'ट' 'त' वर्ग के क्रमानुसार लगाने के लिए कहें। चित्र दिखाकर वस्तुओं के नाम कहलवा लें। इसी प्रकार अन्य शब्द दोहरवाएँ ।

● देखो, समझो और बताओ :

२. बचत

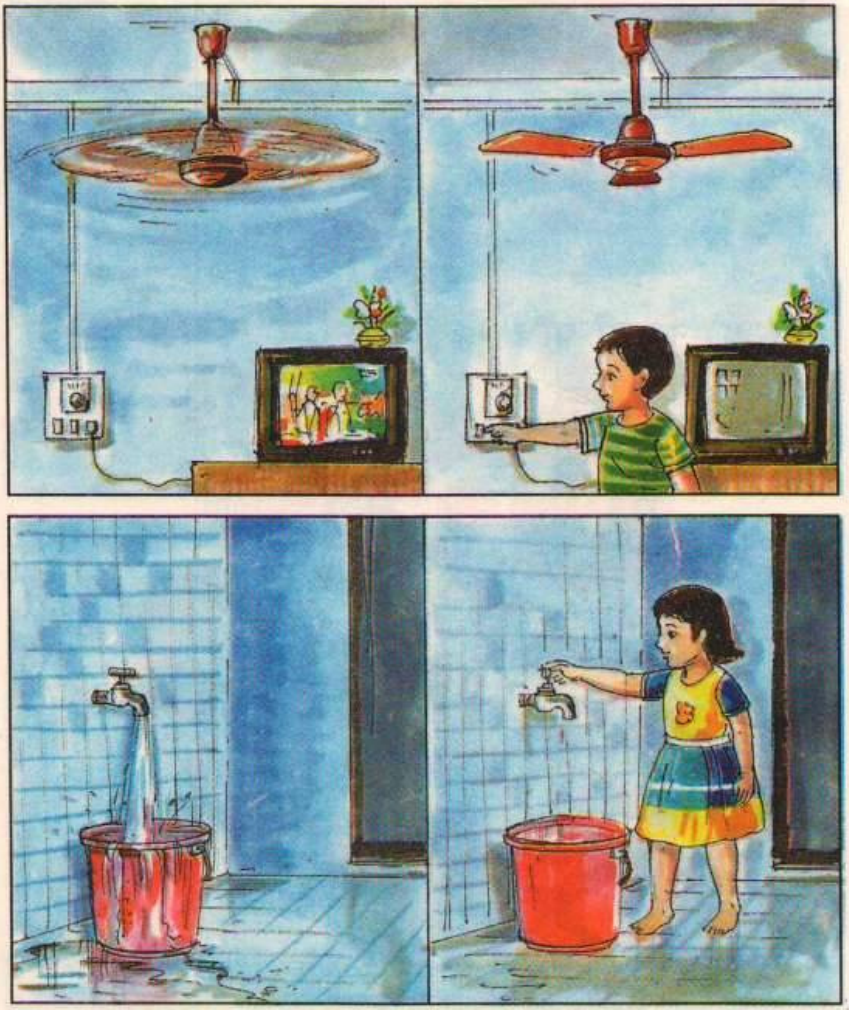

❑ चित्र देखकर शब्द और वाक्य कहलवा लें। पानी का महत्व समझाते हुए पानी की बचत करने के लिए प्रोत्साहित करें। अन्य चित्रकथा दिखाकर छात्रों से कहलवा लें।

❋ (अ) सही शब्द चुनकर लिखो :

(१) मौसी जी, मुझे पेंसिल दो / दीजिए ।

(२) ऋतु, मेरे साथ चलो / चलिए ।

(३) आप अंदर आओ / आइए ।

(४) सुमा और ऋतिक, ऊपर मत चढ़ो / चढ़िए ।

(५) डेविड, माता जी को बुलाओ / बुलाइए ।

(६) धवल, तुम कहानी पढ़ो / पढ़िए ।

(आ) निम्नांकित रंगों को पहचानकर उनके नाम लिखो :

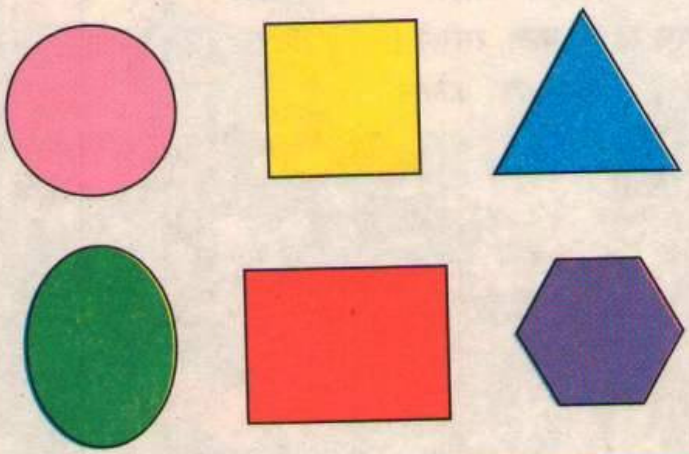

★ छात्र चिड़ियाघर में देखे हुए जानवरों के नाम बताएँ ।

❑ दिए गए वाक्य पढ़वाकर सही शब्द चुनने के लिए कहें । फिर सही वाक्य लिखवा लें । रंगों की पहचान कराकर उनके नाम लिखवाएँ । दिखाए गए आकारों की परिचित वस्तुओं के नाम पूछकर आकारों के नाम बताएँ । अन्य शब्दों का अभ्यास करवाएँ ।

● सुनो और गाओ :

३. फूल

फूल खिले हैं प्यारे-प्यारे,
रंग-बिरंगे न्यारे-न्यारे।
बेला, चंपा और चमेली,
फूली सोनजूही अलबेली।
गेंदा और गुलाब खिले हैं,
भौंरे उनके साथ मिले हैं।
महक रही, बगियाँ मतवाली
कूक रही है, कोयल काली।
नीले-पीले,रंग-रंगीले
झूम रहे हैं, फूल रसीले।

– *केदारनाथ 'कोमल'*

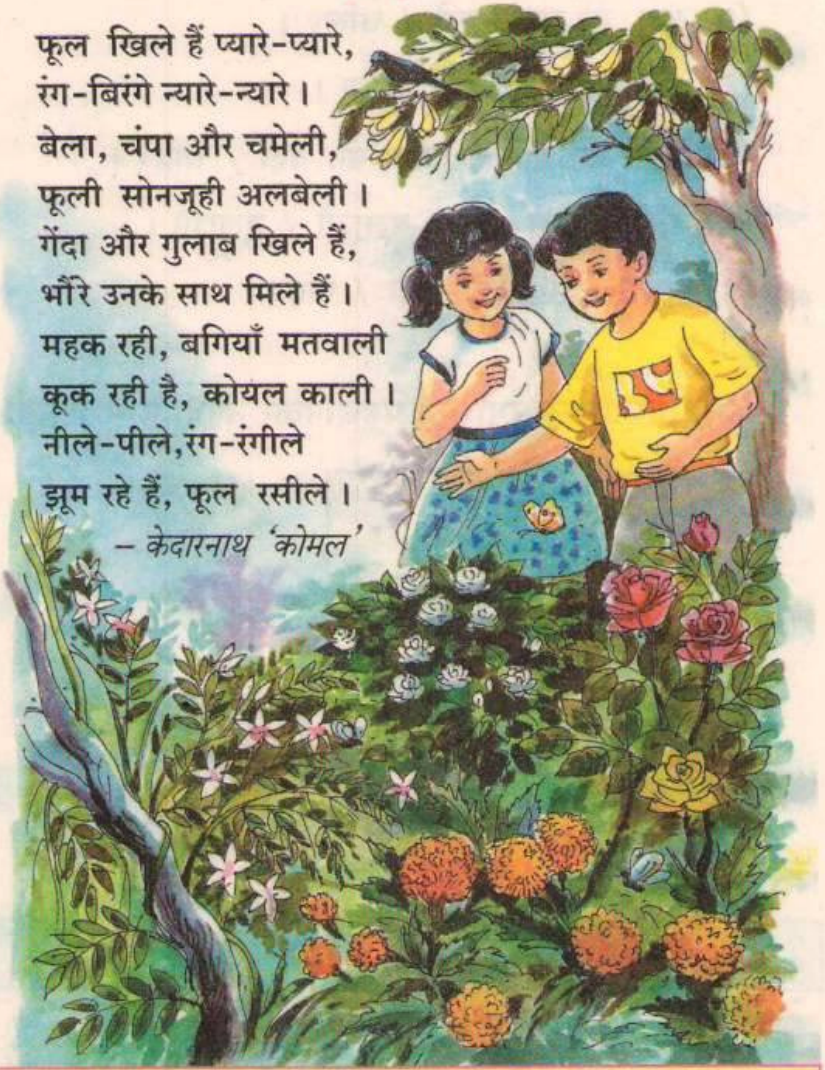

❑ कविता को यथोचित लय, हाव-भाव, आरोह-अवरोह, शुद्ध उच्चारण के साथ दो-तीन बार सुनाएँ। छात्रों से दोहरवा लें। अन्य कविता सुनाकर कंठस्थ करवाएँ।

* (अ) निम्नलिखित वर्णकार्डों को वर्णक्रमानुसार रखो :

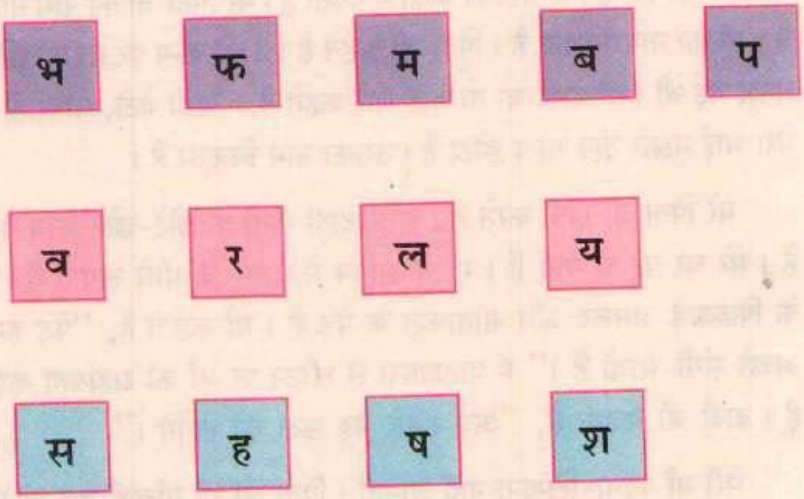

(आ) निम्नलिखित शब्दों में 'ला पी त्र ता या' से अंत होनेवाले दो-दो शब्द चुनकर लिखो :

काला पत्र खाया कापी पीला खाता

लाया सीपी मित्र कविता पपीता रंगीला

★ छात्र भक्ति गीत सुनाएँ ।

❑ छात्रों से वर्णकार्डों को वर्णमाला के क्रमानुसार लगवा लें । समान अंतवाले शब्दों की जोड़ियाँ मिलवाएँ । इसी प्रकार अन्य भाषाई खेलों द्वारा अभ्यास करवाएँ ।

• सुनो और दोहराओ :

४. कल्पना

मैं कल्पना हूँ। मैं आपकी कक्षा में पढ़ती हूँ। मेरे पिता जी का नाम गोविंद है। माँ का नाम साधना है। पिता जी कहते हैं कि मेरे जन्म पर बहुत खुशियाँ मनाई गई थीं। मेरे दादा जी तो बार-बार कहते हैं, "बड़ी बेटी, घी-रोटी।" मेरा भाई मुझसे तीन साल छोटा है। उसका नाम विकास है।

मेरे पिता जी खेती करते हैं। दादा-दादी खेती के छोटे-छोटे काम करते हैं। मेरे घर पर दो गायें हैं। माँ ने आँगन में फूलों के पौधे लगाए हैं। घर के पिछवाड़े अमरूद और सीताफल के पेड़ हैं। माँ कहती हैं, "पेड़ हमारे अच्छे संगी-साथी हैं।" मैं पाठशाला से लौटने पर माँ की सहायता करती हूँ। दादी जी कहती हैं, "अब हमारे पेड़ फल देने लगेंगे।"

मेरी माँ पढ़ना-लिखना नहीं जानतीं। पिता जी भी पाँचवीं तक ही पढ़े हैं लेकिन वे मुझे बहुत पढ़ाना चाहते हैं। मैं मन लगाकर पढ़ती हूँ।

❑ पाठ्यांश सुनाकर उसका मुखर वाचन करा लें। प्रश्न पूछकर सुनिश्चित करें कि छात्रों ने कहानी ध्यानपूर्वक सुनी है। संवादात्मक रूप में छात्रों के दैनिक कार्यों पर चर्चा करें। उन्हें बोलने के लिए प्रेरित करें। इसी प्रकार अन्य कहानियाँ सुनाकर दोहरवाएँ।

❋ चित्र देखकर एक-एक वाक्य लिखो :

(१) .....
.....

(२) .....
.....

(३) .....
.....

(४) .....
.....

(५) .....
.....

(६) .....
.....

(७) .....
.....

(८) .....
.....

★ छात्र पाठ्यपुस्तक की कहानियों पर चर्चा करें ।

❑ छोटा-बड़ा, अंदर-बाहर, गरम-ठंडा, ऊपर-नीचे शब्द कहलवाते हुए वाक्य बनाकर लिखने के लिए कहें । ध्यान दें कि संयुक्ताक्षरयुक्त शब्दों का प्रयोग न हो ।

• सुनो और करो :

५. बढ़ते जाओ

पंक्ति बनाओ, आगे-पीछे,
कदम मिलाओ, ऊपर-नीचे ।
हाथ हिलाते चल दो आगे,
जैसे वीर सिपाही जागे ।
ऊपर-ऊपर चढ़ते जाओ ।
बढ़ते जाओ, बढ़ते जाओ ॥
पत्थर रोकें, ठोकर मारो,
काँटे चुभें तो उन्हें उखाड़ो ।
नदी मिले तो तैरो जल में,
पर्वत पार करो, दो पल में ।
हर मुश्किल से लड़ते जाओ ।
बढ़ते जाओ, बढ़ते जाओ ।

– धर्मपाल शास्त्री

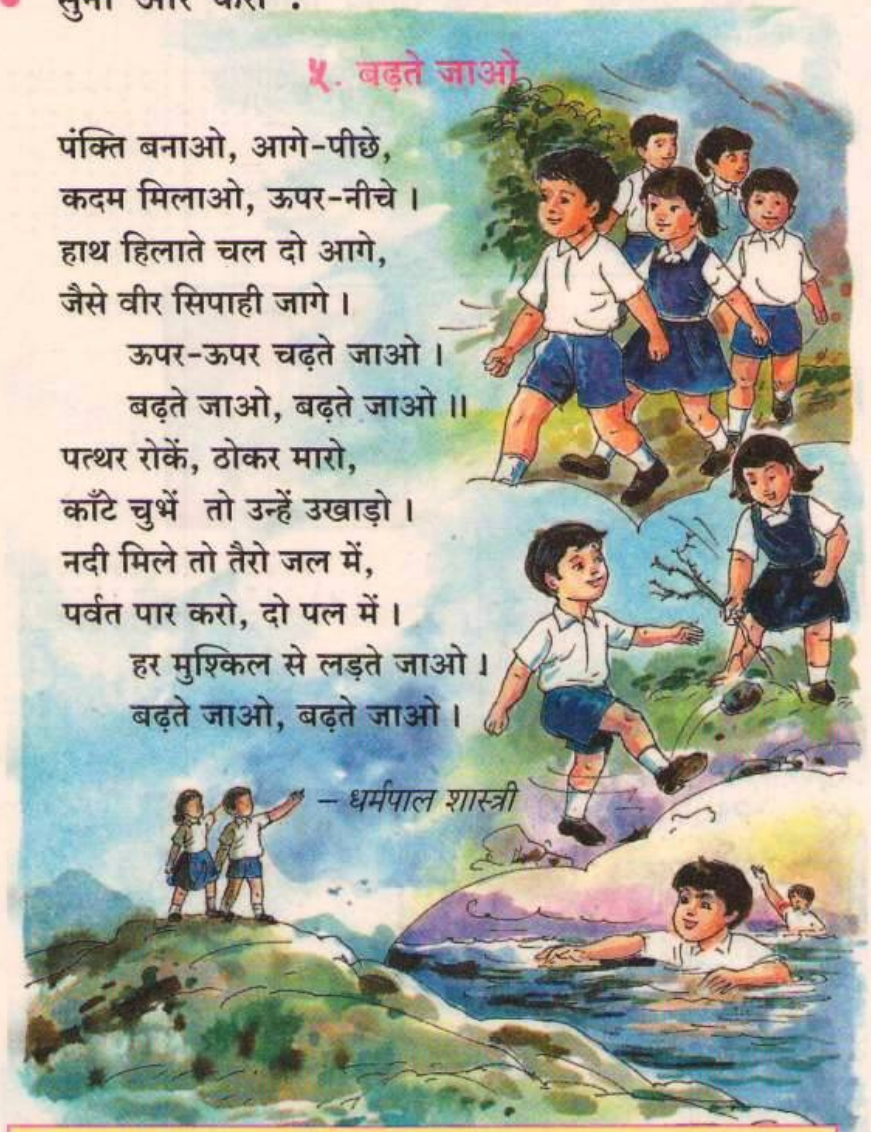

❑ अभिनय गीत सुनाएँ । सामूहिक रूप से दोहरवा लें, शब्दों के अर्थ स्पष्ट करें । छात्रों से गीत में आई हुई क्रियाओं को सुनाकर करवा लें । इसी प्रकार की अन्य कविता सुनाएँ । वार्षिक उत्सव में सामूहिक गीत प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करें ।

❋ **(अ) निम्नलिखित शब्दों में से समान अंत के वर्णवाले शब्दों को लिखो :**

दुकान रीनू पतली केला मकान टीनू

नुकीली ढेला दुबली मीनू मेला थकान

(आ) निम्नलिखित शब्दों और वाक्यों को पढ़ो और लिखो :

(१) रथ रजनी रतन रहँट रमजान राकेश

(२) दिनेश नरेश रमेश तपेश परेश गणेश

(३) चाचा ने चाँदी के चमचे से चंदन को चमचम चखाई ।

(इ) उचित शब्द बनाओ :

ल फ त ख ब व न भ

ड़ स क ब श त र ल ह ट क

★ छात्र पाठशाला की सूचनाओं को घर जाकर सुनाएँ ।

❑ छात्रों से समान अंत, प्रारंभ होनेवाले शब्दों और वाक्यों को पढ़वाकर लिखवा लें । शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर पढ़ने के लिए कहें । अन्य शब्द, वाक्य कहलवाएँ ।

• सुनो, समझो और बोलो :

६. नहीं रुकेंगे

मदन : अरे मोहन ! रुक क्यों गए ?

मोहन : बिल्ली ने रास्ता काट दिया ।

लता : चलते समय कोई छींक भी दे तो माँ बाहर जाने नहीं देतीं ।

मदन : दादी जी तो कहती हैं, जाते हुए व्यक्ति को पीछे से आवाज नहीं देनी चाहिए ।

लता : ये सब बेकार की बातें हैं ।

मदन : समय पर न पहुँचें तो गुरु जी नाराज होंगे ।

मोहन : तो फिर चलते हैं, आज हमारी परीक्षा है ।

मदन : मुझे तो छींक आ रही है ।

मोहन : तो छींको, लेकिन हम रुकेंगे नहीं । हा हा हा हा ! (सभी हँसते हैं ।)

❑ वार्तालाप को यथोचित रीति से सुनाएँ, जिससे छात्र रुचि से सुनें । वार्तालाप दो–तीन बार दोहरवा लें । कक्षा में ऐसी स्थिति निर्मित करें, जिससे छात्र आपस में संवाद करें ।

• पढ़ो और लिखो :

(अ) प्रश्नों के उत्तर दो :

(१) गुरु जी क्यों नाराज होंगे ?

(२) किन बातों पर विश्वास नहीं करना चाहिए ?

(आ) पढ़ो और लिखो :

(१) हमेशा सच बोलो ।

(२) बड़ों का आदर करो ।

(३) सूरज की तरह चमको ।

(४) फूल की तरह महको ।

(५) समय पर पढ़ो, समय पर खेलो ।

(इ) चित्र के स्थान में शब्द भरो :

(१) सरोज पहन ।

(२) कैलाश जगह पर रख ।

★ छात्र मेहमानों से हुई बातचीत को सुनाएँ ।

❑ इसी प्रकार के अन्य सुवचनों को श्यामपट्ट पर लिखकर पढ़वाएँ ।

● सुनो, समझो और बताओ :

७. बूझो

१. एक दोस्त बड़ा शैतान,
चढ़े नाक पर पकड़े कान ।

२. बत्तीस मोती की माला,
उसमें गद्दा एक निराला ।

३. बिना अन्न, जल के सदा
चलती रहती आठ प्रहर
दिन-रात आती काम
ऊर्जा नहीं तो गई ठहर ।

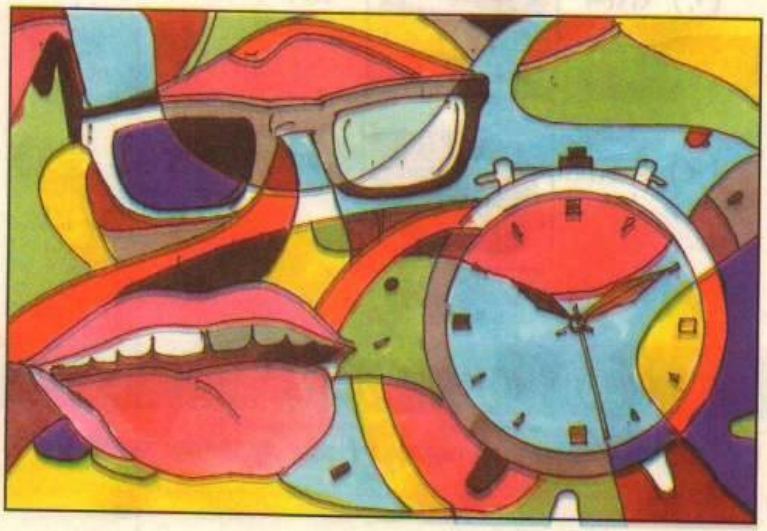

• पढ़ो और लिखो :

८. जुड़ें हम – भाग (१)

८ जुड़ें हम – भाग (१) के पृष्ठ ४५, ४६ पर आधे संयुक्ताक्षर पढ़ाए गए हैं। पृ. ४७, ४८ पर मनोरंजन के लिए पहेलियाँ दी गई हैं। शेष संयुक्ताक्षर **८. जुड़ें हम – भाग (२)** के पृष्ठ ४९, ५० पर पढ़ाए गए हैं। इस प्रकार संपूर्ण संयुक्ताक्षर का अध्ययन पृष्ठ २४ से २८ पर होगा। इनका अध्यापन नीचे दिए गए अध्यापन संकेत द्‌वारा समझ लें। इसी प्रकार छात्रों से अभ्यास करवाएँ। प्रत्येक पृष्ठ पढ़ाने के पश्चात उपक्रम करवा लें।

★ **उपक्रम :** छात्र नाम/शहर की अंत्याक्षरी खेलें।

❑ **अध्यापन संकेत :** संपूर्ण पाठ्यसामग्री का उद्‌देश्य संयुक्ताक्षर की पहचान करवाकर वाचन, लेखन कराना है। वर्णों को संयुक्त बनाने के लिए रूप के आधार पर चार भागों (पाई हटाकर, हलंत लगाकर, आधे होकर, र के प्रकार - ्र , र्, ^) में बाँटा गया है। इन्हें अलग-अलग पाठों में पढ़ाया गया है। संयुक्ताक्षरयुक्त अन्य शब्दों का अभ्यास करवा लें।

- **पहचानो और बोलो :** सर्वप्रथम चित्र के शब्द पहचानकर बोलने के लिए कहें। शब्द के जोड़ को श्यामपट्ट पर लिखकर समझाएँ।
- (अ) आधे वर्ण को जोड़कर शब्द पढ़ने के लिए कहें। संयुक्ताक्षर की पहचान होने तक अभ्यास करवा लें।

  (आ) पाठ्यांश पढ़वाकर संयुक्ताक्षर को रेखांकित करने के लिए कहें। तत्पश्चात छात्रों को संपूर्ण पाठ्यांश का अनुलेखन करने के लिए कहें। देखें कि वे विरामचिह्नों- पूर्णविराम, प्रश्नचिह्न सहित शुद्‌ध लेखन करते हैं।

  संपूर्ण संयुक्ताक्षर का अभ्यास होने के पश्चात इन्हीं पाठ्यांशों का श्रुतलेखन करवाएँ।

● पहचानो और बोलो :

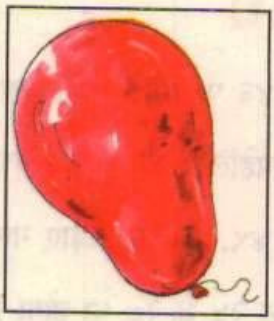

✱ (अ) पढ़ो और करो :

मुख्य	अख्तर	मुग्धा	शत्रुघ्न	सच्चा
उज्जैन	ज्वार	अक्षुण्ण	कुत्ता	पत्थर
कथ्य	पथ्य	मध्य	अनन्नास	अन्य
चप्पल	प्याज	कप्तान	गुब्बारा	सब्जी
अभ्यास	चम्मच	म्यान	खय्याम	चूल्हा
उल्लू	फव्वारा	अश्म	पश्चिम	पुष्प
रस्सी	बस्ता	स्वाध्याय	लक्ष्मण	त्र्यंबक

(आ) देखकर लिखो :

ग्वाला

कल्लू गाँव का ग्वाला है ।
उसके पास एक अच्छी गाय है ।
कल्लू नित्य ताजा दूध लाता है ।
दूध स्वास्थ्य के लिए उत्तम है ।

● पहचानो और बोलो : **हलंत लगकर जुड़ें हम**

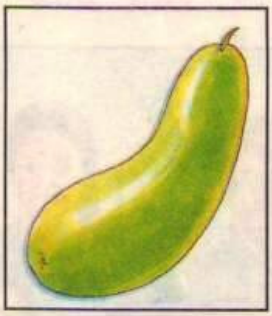

✱ (अ) पढ़ो और करो :

भुट्टा	छुट्टी	गट्ठर	पाठ्य	पाठ्येतर
कद्दू	जिद्दी	द्वार	अद्वैत	विद्यालय
चिह्न	गुड्डा	गड्ढा	कबड्डी	विरामचिह्न

(आ) देखकर लिखो :

गोलमगोल

लड्डू-कचौड़ी गोलमगोल ।
गरमा-गरम पकौड़ी गोल ।
रुपया-रोटी-छल्ला गोल ।
धरती भी है भैया गोल ।

प्यारा-प्यारा चंदा गोल ।
सूरज नामक बंदा गोल ।
हवा भरा गुब्बारा गोल ।
लट्टू बहुत दुलारा गोल ।

● सुनो और लिखो :

अपना फोटो

१. हमारे अपने

मेरा नाम ..... है । ये मेरे ..... हैं । मेरे पिता जी के पिता जी को .....और पिता जी की माँ को ..... कहते हैं । माँ के पिता जी ..... तथा माँ की माता जी ..... कहलाती हैं ।

❑ छात्रों को स्वयं का फोटो चिपकाने और चित्र देखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति करने के लिए कहें । संबंधों को समझाकर छात्रों से पाठ्यांश का वाचन करवाएँ ।

● पहचानो और बोलो : **आधे होकर जुड़ें हम**

१०. जुड़ें हम-भाग (२)

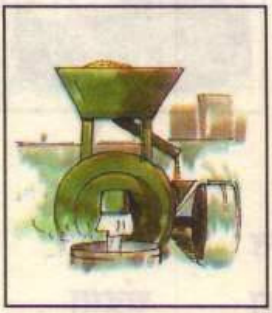

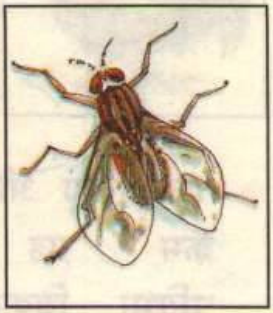

✱ (अ) पढ़ो और करो :

चक्की	मक्खी	डाक्टर	सिक्का	रिक्शा
गफ्फार	मुजफ्फर	रफ्तार	दफ्तर	मुफ्त

(आ) देखकर लिखो :

रुक्की

क्या तुम रुक्की को जानते हो ?

नहीं ! चलो, उससे मिलते हैं । खानापुर एक छोटा-सा गाँव है । गाँव के चौराहे पर गफ्फार चाचा का पक्का घर है । वे पास की गली के नुक्कड़ पर विद्युत विभाग के दफ्तर में काम करते हैं । गफ्फार चाचा की लड़की रुक्की ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ती है । वह तेज रफ्तार से चलती हुई विद्यालय जाती है । समय मिलने पर वह स्वेटर बुनने में माँ की मदद करती है । सबको उसका स्वभाव अच्छा लगता है । क्या तुम्हें भी सब पसंद करते हैं?

● पहचानो और बोलो :

विभिन्नता से जुड़ें हम

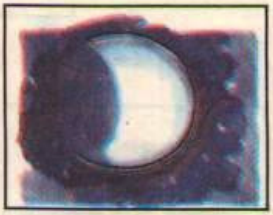

✱ (अ) पढ़ो और करो :

क्रम	ग्रह	प्रपात	प्रभात	सुप्रिया
प्रतिभा	विक्रम	भद्रेश्वर	सुभद्रा	चंद्रमा
क्रांति	ब्रश	क्रास	क्रोध	आइस्क्रीम
ट्रक	ड्रम	राष्ट्र	धृतराष्ट्र	महाराष्ट्र
मुर्गा	वर्ष	मिर्च	कुर्सी	अपर्णा

(आ) देखकर लिखो :

इंद्रधनुष

वर्षा और धूप से बना,
सुंदर चित्र है प्यारा किसका ?
अर्ध गोल बनकर खड़ा,
तना हुआ है यह कौन ?
लाल, भूरा, बैंगनी, नारंगी,
नीला, पीला, हरा, सतरंगी,
देख इसे पूरा राष्ट्र खुश है ।
इंद्रधनुष है यह, इंद्रधनुष है ।

– डा. शैरजंग गर्ग

● पढ़ो और समझो :

११. फद्दू जी

फुंदीलाला फद्दू जी,
तोंद तुम्हारी कद्दू-सी ।
नाक पकौड़ी-सी चौड़ी,
दोनों आँखें ज्यों कौड़ी ।
दबी बगल में गठरी मोटी,
टाँगें छोटी, कमर कछोटी ।
होंठ फड़कते जोश से,
कान खड़े खरगोश से ।
पाँव चप्पल, हाथ छड़ी,
लटक रही है कमर घड़ी ।
दोनों तरफ हैं मूँछ बड़ी,
गाँव में इनकी पूछ बड़ी ।

– *बैजनाथ प्रसाद 'सुनहरे'*

❋ प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(१) कद्दू-सी क्या है ?

(२) घड़ी कहाँ लटक रही है ?

★ छात्र पाठ्यपुस्तक में आएं हुए संयुक्ताक्षरों की तालिका बनाएँ ।

❑ पूरी कविता हाव-भाव के साथ सुनाएँ। प्रत्येक पंक्ति पर प्रश्न पूछकर अर्थ स्पष्ट करें। छात्रों से कविता का व्यक्तिगत वाचन करवा लें। कविता का अनुलेखन करवाएँ ।

● पढ़ो और समझो :

१२. गुब्बारा

एक था गुब्बारा । गोल-मटोल, रंग-बिरंगा । एक दिन वह सैर करने निकला । गुब्बारे ने देखा, बगल में एक नन्ही गौरैया उड़ रही है और एक पत्ते के पीछे से रंग-बिरंगे पंख हिलाती हुई तितली निकली । उन्होंने कहा–"अरे गुब्बारे, हम भी तुम्हारे साथ चलें ?" "हाँ-हाँ, क्यों नहीं ।" गुब्बारे ने मुसकराते हुए कहा और साथ-साथ उड़ने लगे ।

तीनों एक बगीचे में पहुँचे । तितली ने फूलों का रस पिया । गौरैया मीठे फलों पर चोंच मारने लगी और गुब्बारा हवा फाँकने लगा । पेड़ के नीचे एक छह साल का बच्चा बैठा रो रहा था । गुब्बारे ने पूछा, "बच्चे, क्यों रो रहे हो ?" बच्चे ने रोते हुए जवाब दिया, "मेरे पास खिलौने नहीं हैं । मैं कैसे खेलूँ ?" "कोई बात नहीं, तुम मुझसे खेलो ।" गुब्बारा पेड़ से नीचे बच्चे की गोद में आ गिरा । गौरैया और तितली बोलीं, "हम भी इसके आसपास ही रहेंगी ।" बच्चा खुश हो गया ।

- नरेंद्रकुमार मौर्य

✻ कहानी को अपने शब्दों में लिखो ।

★ छात्र श्यामपट्ट पर लिखे हुए संयुक्ताक्षरयुक्त शब्दों से वाक्य बनाएँ ।

❑ कहानी को दो–तीन बार सुनाएँ । प्रश्नोत्तर द्वारा कहानी स्पष्ट करें । छात्रों के वाचन पर ध्यान देते हुए कहानी कहलवा लें । अन्य कहानी सुनाएँ और सुनाने के लिए कहें ।

● पढ़ो, समझो और करो :

१३. मिश्रण

आओ, बड़ों की सहायता से मिश्रण बनाओ ।

सामग्री : दो केले, एक कप दूध, चम्मच, चीनी, बड़ा बरतन, पिसी हुई इलायची ।

कृति : अपने हाथ धो लो । छिलके उतारकर केले का गूदा बड़े बर्तन में रखो । छिलके कूड़ेदान में डाल दो । फिर चम्मच से गूदे को फेंटो ।

अब उसमें दूध और चीनी डालो । पिसी हुई इलायची उसमें मिलाओ । इसे माता, पिता और बहन को परोसो । उनके साथ तुम भी खाओ ।

❑ छात्रों को पाठ सुनाकर समझाएँ। पाठ्यांश पढ़वाकर चर्चा करें। बड़ों की सहायता से कृति करने के लिए कहें। अनुभव के आधार पर उसकी विधि को अपने शब्दों में बोलने के लिए कहें।

❋ जोड़ो और रंग भरो :

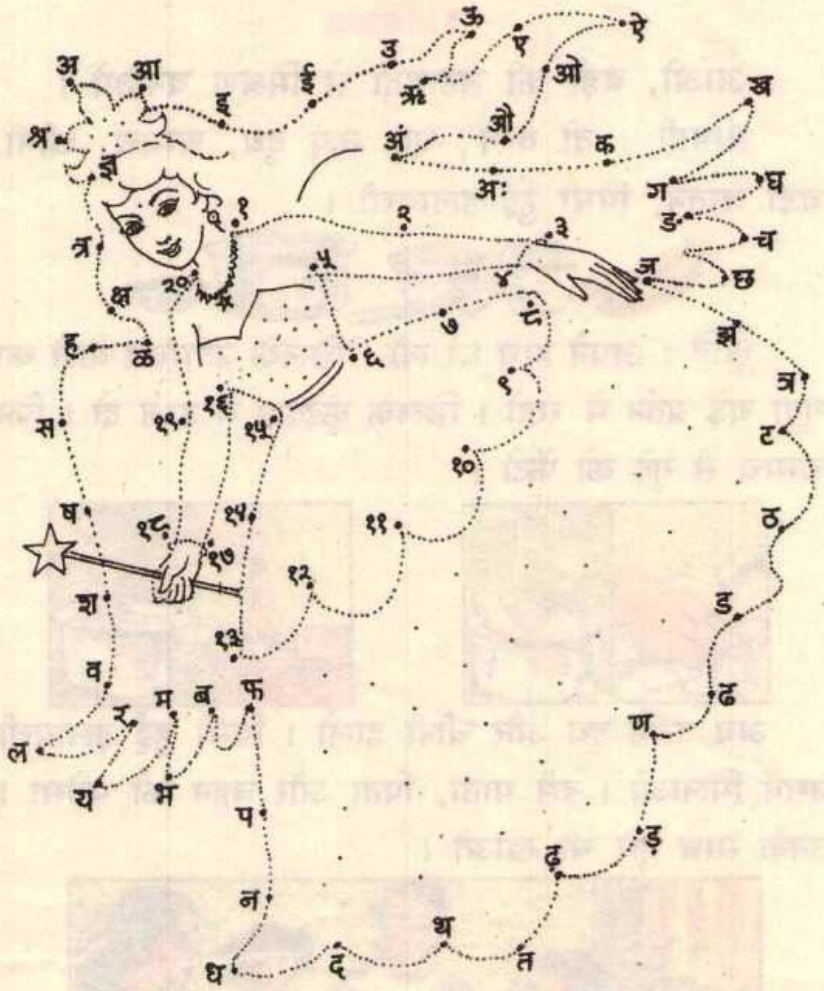

★ छात्र समूह बनाएँ और विद्यालय की सफाई करें ।

❑ छात्रों से अ से श्र के बिंदुओं को वर्ण क्रमानुसार तथा १ से २० तक के अंकों को क्रम से जोड़ने के लिए कहें । अपनी इच्छानुसार उसमें रंग भरने के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दार्थ

तीसरी इकाई

३. **वर्षा आई**

दादुर = मेंढक ; **नभ** = आकाश

४. **मधुमक्खी का छत्ता**

रुआँसी = रोने जैसी।

८. **पहचानो हमें - भाग (१)**

लीची = एक फल ; **टिटिहरी** = टी-टी बोलने वाली एक चिड़िया ; **कुरूप** = असुंदर ; **दुरूह** = कठिन; **मुगूह** = चातक ; **वृक्ष** = पेड़; **मृग** = हिरन ; **कृषक** = किसान ; **गृह** = घर।

१०. **पहचानो हमें - भाग (२)**

नसैनी = सीढ़ी ; **मौलसिरी** = एक फूल ; **सिरमौर** = सिर का मुकुट ; **कारवाँ** = यात्रियों का झुंड।

चौथी इकाई

३. **फूल**

अलबेली = छबीली ; **रसीले** = रसवाले।

८. **जुड़ें हम - भाग (१)**

अक्षुण्ण = अखंडित ; **कथ्य** = कहा गया ; **म्यान** = तलवार रखने का साधन।

१०. **जुड़ें हम - भाग (२)**

रफ्तार = गति ; **दफ्तर** = कार्यालय।

इंद्रधनुष

अर्ध = आधा ; **तना** = अकड़ा हुआ।

❑❑❑

हमारा राष्ट्र-गीत

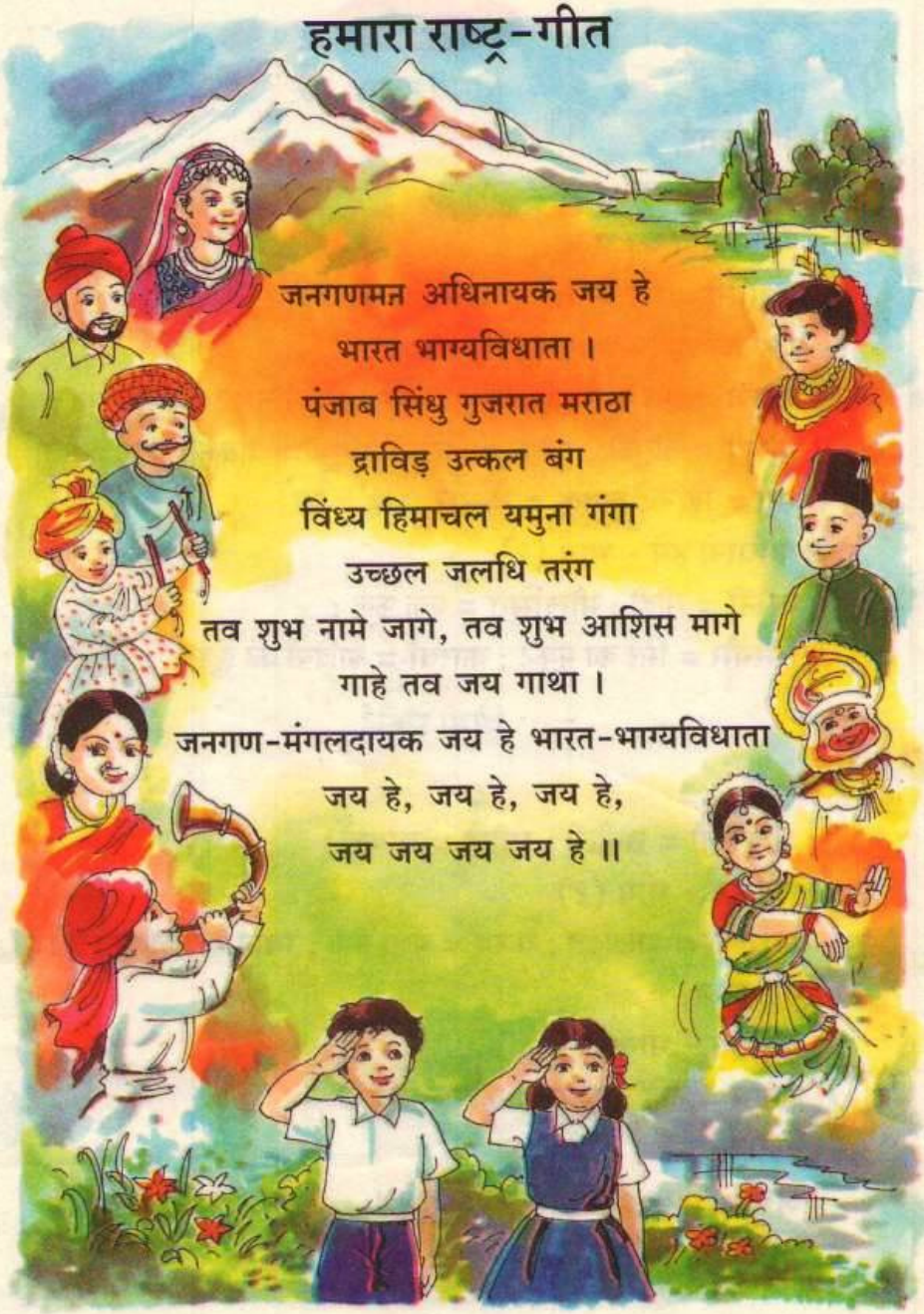

जनगणमन अधिनायक जय हे
भारत भाग्यविधाता ।
पंजाब सिंधु गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे
गाहे तव जय गाथा ।
जनगण-मंगलदायक जय हे भारत-भाग्यविधाता
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे ॥

वर्णलेखन - २

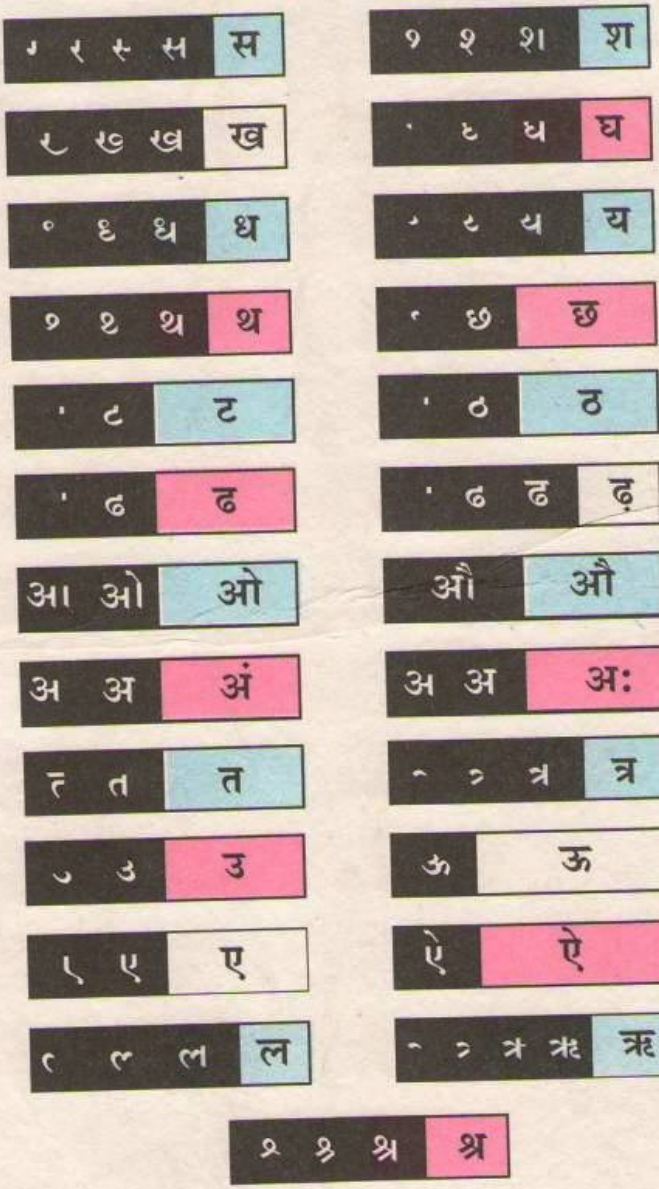

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी बालभारती, इयत्ता- पहिली, भाग-१

रु. १०.००